देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –191 I भोपाल, शनिवार, 12 जुलाई 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ होगी माकूल व्यवस्थाएं — पृष्ठ 2

बाढ़ क्यों स्थायी समस्या बन गई है? — पृष्ठ 4

महाराष्ट्र : एक बार फिर से दहाड़ रहा है बाघ — पृष्ठ 4

सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा, कलेक्टर का आदेश बेअसर — पृष्ठ 6

स्वच्छता मित्र का अथक परिश्रम हमारे लिए सर्वोपरि : शर्मा — पृष्ठ 7

सार-समाचार

गुजरात पुल हादसे में मरने वालों की संख्या 21 पहुंची

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुराने पुल के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। शुक्रवार को एक घायल की अस्पताल में मौत हुई। मरने वालों का आंकड़ा 20 हो गया है। एक शख्स की तलाश में एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें जुटी हैं। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा कि नदी में गिरे एक टैंकर में सल्फ्यूरिक एसिड भरा था। ऐसे में पता लगाया जा रहा है कि उसमें से कोई रिसाव तो नही है। वहीं पानी सोडा ऐश (सोडियम कार्बोनेट) होने के कारण रेस्क्यू टीम को जलन और खुजली हो रही है। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई है।

तेलंगाना भाजपा विधायक राजा सिंह का इस्तीफा स्वीकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने तेलंगाना में गोशामहल सीट से विधायक राजा सिंह लोध का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने अधिसूचना जारी करके बताया कि पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने उनके पार्टी से इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

जेपीसी की बैठक में पूर्व प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने दिया सुझाव

चुनाव आयोग को नहीं दे सकते बेलगाम ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। एक देश-एक चुनाव के लिए 129 वें संशोधन बिल पर संयुक्त संसदीय कमेटी की बैठक शुक्रवार को संसद भवन में हुई। इस बैठक में पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जगदीश सिंह खेहर ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने बैठक के दौरान अपनी बातें भी रखी।

दोनों पूर्व सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के चुनाव आयोग को एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली को लागू करने में अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जानी चाहिए। इससे पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने भी प्रस्तावित संविधान संशोधन कानून में चुनाव निकाय को दी गई 'व्यापक शक्तियों' पर सवाल उठाया था। डीवाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर ने संसदीय समिति को सुझाव दिया कि चुनावों के संचालन पर एक निगरानी तंत्र होना चाहिए।

संसदीय समिति को चुनावों के संचालन पर निगरानी तंत्र बनाने पर दिया जोर

संसद की निगरानी जरूरी

सूत्रों के अनुसार, बैठक में वरिष्ठ कानून विदों ने नए बिल में चुनाव आयोग को मिलने वाली अतिरिक्त शक्तियों पर गहन समीक्षा और संसद की निगरानी को जरूरी बताया है। उदाहरण देते हुए सुझाव दिया गया कि अगर किसी कारणवश लोकसभा के साथ किसी राज्य का चुनाव नहीं होता है, तो उस स्थिति में चुनाव कब तक कराना अनिवार्य होगा, यह कानून में स्पष्ट होना चाहिए। यह फैसला चुनाव आयोग की मर्जी पर नहीं छोड़ा जा सकता। साथ ही चुनाव में देरी के मामलों में केवल चुनाव आयोग का फैसला न हो, बल्कि संसद की भी निगरानी और अधिकार सुनिश्चित हों।

निर्वाचित सरकार का 5 साल का कार्यकाल जरूरी

न्यायाधीशों में से एक ने यह भी कहा कि निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल सुशासन के लिए महत्वपूर्ण है। इसे (पांच साल के कार्यकाल को) किसी भी परिस्थिति में कम नहीं किया जाना चाहिए। संविधान (एक सौ उनतीस वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संसद की संयुक्त समिति जांच कर रही है। बता दें कि देश के दो अन्य पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित और रंजन गोगोई भी समिति के समक्ष उपस्थित हो चुके हैं। हालांकि दोनों ने एक साथ चुनावों की संवैधानिकता पर सवाल नहीं उठाया, लेकिन उन्होंने विधेयक के कुछ पहलुओं पर सवाल उठाए और सुझाव दिए थे। भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति, विधेयक पर अपनी सिफारिशें तैयार करने के लिए न्यायविदों और कानूनी विशेषज्ञों से बात कर रही है, जिसका उद्देश्य राज्यों में विधानसभाओं और संसद के चुनाव एक साथ कराना है।

इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने कहा- रियल स्टेट देश का सबसे अधिक प्रगतिशील क्षेत्र

30 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले

- 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित
- प्रदेश के सभी शहरों में आयोजित करेंगे ग्रोथ कॉन्क्लेव
- गिफ्ट सिटी के जैसे मध्यप्रदेश में भी 10 सिटी बनाएंगे
- प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जायेंगे
- शहरी विकास के लिये दी सौगातें

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रियल एस्टेट आज देश का सबसे अधिक प्रोगेसिव सेक्टर है और यह सेक्टर देश के नवनिर्माण में बड़ा सहयोग दे रहा है। रियल एस्टेट के विकास में ही देश का विकास अंतर्निहित है। हम इस सेक्टर को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश के सभी बड़े शहरों में इसी तरह की ग्रोथ कॉन्क्लेव करके और सबको घर मुहैया कराकर नागरिकों के जीवन में खुशहाली लायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर देश की जीडीपी में अब 8.5 प्रतिशत तक योगदान दे रहा है, जो कभी मात्र 3 प्रतिशत हुआ करता था। उन्होंने गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसी ही 10 स्मार्ट सिटीज़ मध्यप्रदेश में विकसित की जाएंगी। उन्होंने घोषणा की है कि प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सेक्टरों के लिए विशेष ग्रोथ कॉन्क्लेव आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति और नई दिशा मिलेगी।

प्रदेश के समग्र शहरी विकास और रियल एस्टेट सेक्टर को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर स्थित ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 'मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025' को संबोधित कर रहे थे। इस आयोजन में उद्योग, होटल, रियल एस्टेट, एजुकेशन, रिन्यूअल एनर्जी, आईटी आदि क्षेत्रों में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे प्रदेश में 15 हजार से अधिक रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे और शहरी एवं औद्योगिक विकास को नई ऊचाईयां प्राप्त होंगी। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के विकास के लिये 12 हजार 360 करोड़ रुपये की सौगातें भी दी। उन्होंने मुख्य रूप ■ शेष पृष्ठ 6 पर

निवेशकों से की रूबरू चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में प्रमुख निवेशकों से रु-ब-रु चर्चा की और निवेश की संभावनाओं पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया। डॉ. यादव ने मुख्य रूप से हुडको के अध्यक्ष संजय कुलश्रेष्ठ, पटेल इंफ्रा के अरविंद विदुलभाई पटेल, आईटीसी के आशीष पाल, एमकेसी इंफ्रा के केतन पटेल, ओमेक्स ग्रुप के मोहित गोयल, मेडुला सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के शांतनु शर्मा, राठी स्टील लिमिटेड के ध्रुव राठी, मध्यप्रदेश होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के सुमित सूरी, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की सुश्री प्रीति पटेल, डापलमायर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रफुल्ल चौधरी, साई ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड के रितेश दास से चर्चा की।

शहरी विकास को गति देने के लिये हुए महत्वपूर्ण एमओयू

शहरी प्रशासन के विविध घटकों को टेक्नॉलॉजी के माध्यम से इंटीग्रेट करके अधिक कार्यकुशल बनाने के लिए मध्यप्रदेश शासन और भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। नगरीय विकास विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी और हाउसिंग और शहरी विकास निगम लिमिटेड के मध्य समझौता निष्पादन हुआ। मध्यप्रदेश शासन और आईआईएम इंदौर के बीच सिंहस्थ 2028 की कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए एमओयू किया गया है।

यह निवेश प्रस्ताव मिले

कॉन्क्लेव में सर्वाधिक 12 हजार 473 करोड़ रुपये का निवेश औद्योगिक क्षेत्र में प्राप्त हुआ है। इसी तरह होटल क्षेत्र में 3 हजार 344 करोड़ रूपये, रियल एस्टेट क्षेत्र में 1812.14 करोड़ रुपये, एजुकेशन क्षेत्र में 72.45 करोड़ रूपये, रिन्यूअल एनर्जी क्षेत्र में 500 करोड़ रूपये तथा आईटी क्षेत्र में 100 करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इंदौर और भोपाल विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत 12 निवेशकों से 2 हजार 784 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नगरीय निकायों को अधोसंरचना विकास के लिये एक हजार 320 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

पुणे की अदालत में मानहानि मामले पर दी सफाई

सावरकर पर बयान के लिए दोषी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सावरकर पर दिए बयान के लिए राहुल गांधी ने खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने साफ कहा कि मैं इस मामले में दोषी नहीं। पुणे की अदालत में शुक्रवार को मानहानि मामले की सुनवाई हुई यह मामला राहुल गांधी के एक पुराने बयान से जुड़ा है जो उन्होंने वीर सावरकर को लेकर दिया था। इस मामले की शिकायत सावरकर के परपोते सत्यकी सावरकर ने की थी। कोर्ट ने राहुल गांधी पर आरोप पढ़कर सुनाया।

राहुल गांधी की ओर से उनके वकील मिलिंद पवार पेश हुए और उन्होंने अदालत में बताया कि राहुल गांधी खुद को इस मामले में दोषी नहीं मानते। राहुल गांधी कोर्ट में मौजूद नहीं थे। सत्यकी सावरकर के वकील संग्राम कोल्हटकर ने बताया कि अब जब आरोप तय हो चुके हैं और राहुल गांधी की ओर से जवाब भी आ गया है, तो अगली प्रक्रिया यानी मुकदमे की बाकायदा सुनवाई शुरू होगी। वकील मिलिंद पवार ने अदालत में कहा कि राहुल गांधी खुद को इस आरोप में दोषी नहीं मानते। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया कि इस आधार पर आगे की सुनवाई चलाई जाए। यह मामला अब सियासी और कानूनी दोनों रूप से काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें एक राष्ट्रीय नेता, स्वतंत्रता सेनानी सावरकर का नाम और मानहानि जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर बालाघाट में वन विभाग का दफ़्तर सील

बालाघाट, देशबन्धु। बीस साल पुराने एक मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आज बालाघाट जिला मुख्यालय स्थित दक्षिण उत्पादन वनमंडल और मुख्य वन संरक्षक कार्यालय को सील कर दिया गया। आज सुबह कर्मचारी ड्यूटी पर पहुंचे, तो कार्यालय के बाहर न्यायालय का नोटिस चस्पा मिला और दरवाजे पर ताले लटके दिखे।

दरअसल, वर्ष 2005 में बालाघाट की इस इमारत में पश्चिम उत्पादन वनमंडल नामक कार्यालय था, जिसका वर्ष 2013 में बंद कर दक्षिण उत्पादन में विलय कर दिया गया। इस दौरान कल्पतरू एग्रो फार्म, कोलकाता नामक फर्म ने विभाग से बड़ी मात्रा में बांस की खरीदारी की थी। इसके लिए फर्म ने बकायदा भुगतान भी किया, लेकिन कार्यालय के बंद हो जाने के बाद वह बांस उठाव नहीं कर सका। समस्या तब खड़ी हुई जब फर्म द्वारा भुगतान की गई राशि विभाग ने वापस नहीं की। इस पर कल्पतरू एग्रो फार्म के संचालक ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने गत 20 जून 2025 को आदेश दिया कि वन विभाग फर्म को 1.20 करोड़ की राशि वापस करें। न्यायालय के आदेश के बाद भी विभाग ने भुगतान नहीं किया, जिस पर न्यायालय कार्यालय को सील करने का आदेश दिया। इसी आदेश के तहत आज विभागीय अधिकारियों ने दक्षिण उत्पादन एवं मुख्य वन संरक्षक कार्यालय कार्यालय पर ताले लगा दिए और नोटिस चस्पा कर दिया गया।

नोटों से भरे बैग के साथ राज्यमंत्री का वीडियो वायरल, राजनीति गरमाई

मुंबई, एजेंसी। फणनवीस सरकार में एकनाथ शिंदे शिवसेना के कोटे से राज्यमंत्री संजय शिरसाट का नोटो से भरे बैग के साथ वीडियो वायरल हुआ है। यह वीडियो शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने जारी किया है। जिससे महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई। इसके एक दिन पहले ही शिरसाट को आयकर विभाग ने एक नोटिस दिया है।

श्री राउत द्वारा आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए इस वीडियो में राज्य मंत्री शिरसाट अपने आवास पर भारी मात्रा में नगदी के साथ दिखाई दे रहे हैं। संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस वीडियो फुटेज पर ध्यान देने का आग्रह किया है। वीडियो में महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट एक बेडरूम में सिगरेट पीते हुए दिखाई दे रहे हैं, उनके बगल में नगदी से भरा एक सूटकेस रखा है। साथ ही एक और सूटकेस भी दिखाई दे रहा है। बगल में एक पालतू कुत्ता भी नजर आ रहा है। राउत ने मराठी में लिखा, यह रोचक वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को देखना चाहिए! देश में क्या हो रहा है! (महाराष्ट्र के एक मंत्री का यह वीडियो बहुत कुछ कहता है)। उल्लेखनीय है कि यह वीडियो इनकम टैक्स द्वारा मंत्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

शिरसाट को एक दिन पहले ही मिला है आयकर का नोटिस

रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोजगार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोजगार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। रोजगार मेले में शनिवार को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे मोदी यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

आरोपी कुब्बावाला मुस्तफा को भारत लाई सीबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) एक सफल अभियान में नारकोटिक्स मामले के वांछित अपराधी कुब्बावाला मुस्तफा को शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित कर भारत ले आई। सीबीआई ने बताया कि उसने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से कुब्बावाला मुस्तफा की वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है। कुब्बावाला मुस्तफा मुंबई पुलिस का वांछित अपराधी है।

तटरक्षक बल ने अमेरिकी नौका चालक दल को बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तटरक्षक बल ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तटीय क्षेत्र में फंसी अमेरिकी नौका 'सी एंजेल' में सवार चालक दल के दो सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह नौका इंदिरा पॉइंट से लगभग 52 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में फंसी थी। प्रतिकूल परिस्थितियों में इस नौका का पाल फट गया था। संकट की चेतावनी मिलने पर एमआरसीसी पोर्ट ब्लेयर ने आस-पास के सभी व्यापारिक पोतों को सतर्क कर बचाव प्रोटोकॉल शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री उज्जैन में समर्पण कावड़ यात्रा में हुए शामिल

कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ होगी माकूल व्यवस्थाएं

कावड़ यात्रियों का पुष्प-वर्षा कर किया स्वागत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ अनुकूल व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित की जा रही है। इस संबंध में निर्देश जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन त्रिवेणी शनिमंदिर से कावड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कावड़ यात्रियों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कावड़ का पूजन कर कावड़ उठाई और अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संत उत्तम स्वामी के साथ पैदल चलकर कावड़ यात्रा का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी त्यौहार उत्साह के साथ मनाने की परम्परा राज्य सरकार ने शुरू की है। ईश्वर और संतजन के आशीर्वाद से उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियाँ तेजी से की जा रही है। हम इस सोच के साथ सभी तैयारियां कर रहे है कि वर्ष-2028 के बाद यदि प्रतिवर्ष सिंहस्थ जैसे आयोजन हों तो किसी प्रकार की समस्या न आये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन में संतों के लिये आश्रम और अन्य व्यवस्थाओं को जुटाने के लिये सिंहस्थ धार्मिक सिटी का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में उज्जैन आने वाले श्रृद्धालुओं के लिये सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित होंगी।

कावड़ यात्रा मे विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, संजय अग्रवाल, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, तपन भौमिक और संतों सहित बड़ी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बताया जल का महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कावड़ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में कई संस्कृतियाँ हैं, दुनिया में तो 194 देश है लेकिन कोई देश अपने कोई भी शुभ काम प्रारंभ करने के लिए जल के माध्यम से कोई संकल्प नहीं लेता है। भारतीय संस्कृति जल ही जीवन की संस्कृति और जीवन जीने की पद्धति रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईश्वर की कृपा से हम हजारों सालों से जल के गुणों से परिचित हैं।

मुख्यमंत्री कल से दुबई और स्पेन की यात्रा पर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नेतृत्व क्षमता ने मध्यप्रदेश को बीते कुछ महीनों में वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नया स्थान दिलाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले साल नवंबर, दिसंबर में यूके, जर्मनी और इस वर्ष जनवरी में जापान जैसे देशों में प्रदेश की निवेशक फ्रेंडली नीतियों से रूबरू कराते हुए न केवल निवेशकों से परिणाममूलक संवाद किए बल्कि उन देशों की औद्योगिक ताकत को समझते हुए प्रदेश में निवेश के सार्थक अवसर तलाशे। हेल्थ टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, यूनिवर्सिटी लिंकेज, इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में हुई सकारात्मक वातावरण की बदौलत अब विभिन्न परियोजनाओं के रूप में धरातल पर आने लगे हैं। प्रदेश में वर्ष 2025 उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 से 19 जुलाई को दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेंगे। यह दौरा मध्यप्रदेश की वैश्विक निवेश रणनीति में महत्वपूर्ण कदम होगा। दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेश को लेकर इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कॉउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख बैठक प्रस्तावित है, जहां मध्यप्रदेश की औद्योगिक तैयारियों और निवेश नीति को लेकर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में कार्यरत लुलु इंटरनेशनल ग्रुप, लैंडमार्क ग्रुप और नखील ग्रुप जैसे अंतर्राष्ट्रीय रिटेल और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय वार्ता करेंगे, जिनमें प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउस, रिटेल चेन और निवेश संबंधी अन्य सहयोग पर विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई के बाद 16 से 19 जुलाई तक स्पेन के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बार्सिलोना में स्पेन की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों और ग्रीन मोबिलिटी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे निवेशकों के साथ महत्वपूर्ण संवाद करेंगे। बार्सिलोना में होने वाली बैठकों में टेक्सटाइल, गारमेंट और डिजाइन सेक्टर की अग्रणी कंपनियों से भी चर्चा की जाएगी। इन निवेश यात्राओं की खास बात है कि निवेश पर रणनीतिक संवादों की प्रमुखता रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्देश्य निवेश के ज़रिए न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है, बल्कि युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ना भी है। यूके से लेकर जापान और अब दुबई से लेकर स्पेन तक मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह सतत प्रयास मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी संकल्प का प्रमाण है।

दिग्विजय ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मूंग खरीदी में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाए

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मूंग खरीदी में आ रही दिक्कतों को दूर करने की मांग की है। दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश में मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर खरीदी के संबंध में कुछ समस्या आ रही हैं।

श्री सिंह ने खरीदी हेतु वेयरहाउस मैपिंग में पारदर्शिता एवं स्लॉट बुकिंग शीघ्र प्रारम्भ करने के संबंध में अनुरोध किया है। उन्होंने मांग की है कि खरीदी केंद्रों का आवंटन पूर्णत: पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप किया जाए। किसानों को उनके गांव अथवा निकटतम वेयरहाउस में मैपिंग की सुविधा प्रदान की जाए, जिससे परिवहन लागत में कमी आए। कांग्रेस नेता ने मांग की है कि खरीदी केन्द्रों की संख्या पर्याप्त रखी जाए एवं सभी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए, ताकि तुलावटी कार्य शीघ्रता से हो सके। उन्होंने कहा है कि सभी पंजीकृत किसानों के लिए तत्काल स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए, जिससे मूंग की बिक्री सुचारू रूप से प्रारम्भ हो सके। राज्य में मानसून सक्रिय है और मूंग खरीदी का दौर जारी है, ऐसे में समस्या न आए, इसके लिए किसानों को बेहतर इंतजाम की उम्मीद है।

उज्जैन में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन आज

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा लक्ष्य मछुआ समाज को सम्मान देने के साथ ही तकनीकी नवाचार, सुरक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। मध्यप्रदेश अब नीलक्रांति की दिशा में पूरे देश के लिए प्रेरणा बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में उज्जैन में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन 12 जुलाई शनिवार को आयोजित होगा। यह आयोजन मछुआ समाज को सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों को और भी मजबूती देगा। मछुआ समुदाय की सामाजिक समरसता और आधुनिक मछली पालन की दिशा में यह सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार, उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीता राम बाथम की मौजूदगी में मछुआरों को हितलाभ वितरण और अनेक सौगातें दी जाएंगी।

लखनऊ में मानव तस्कर गिरोह पकड़ाया, 15 लड़कियों का अब तक कर चुका है सौदा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कृष्णानगर पुलिस ने मानव तस्करी में लिप्त गिरोह के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मध्यप्रदेश के से गिरोह के सरगना शहडोल निवासी संतोष साहू और राजस्थान के साकेतनगर निवासी मनीष भंडारी पकड़ा है। यह गिरोह पिछले 12 साल से लड़कियों को शादी और अनैतिक कार्यों के लिए बेचने का अवैध काम कर रहा था। आरोपियों के कब्जे से रायबरेली निवासी एक किशोरी सहित 2 किशोरियों को बरामद किया है।

डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल के अनुसार गिरोह अकेली और भटकी हुई किशोरियों को निशाना बनाता था। ये लोग चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में अकेली लड़कियों पर नजर रखते थे। संतोष पुलिस की खबर लगते ही वो मोबाइल बदल लेता था। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने 12 साल में 15 से ज्यादा लड़कियों को बेचा। एक लड़की को शादी या अनैतिक कार्यों के लिए 50 हजार से लेकर 2.75 लाख रुपये तक में आरोपियों ने बेचा था।

मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी की बेटी को भी नहीं छोड़ा

दरअसल मामले का खुलासा उस समय हुआ जब कृष्णानगर में रहने वाले एक मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात निजी सुरक्षा अधिकारी की 16 वर्षीय बेटी 28 जून को घर से गायब हो गई। जिसमें उसने पिता को वॉइस मेसेज भेजा था, जिसमें कहा, पापा, मुझे मत खोजना, मैं भगवान के पास जा रही हूं। उसकी गुमशुदगी की शिकायत 30 जून को कृष्णानगर थाने में दर्ज हुई। छानबीन में पता चला कि किशोरी मथुरा में प्रेमानंद से मिलने की इच्छुक थी। संतोष ने उसकी धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर उसे झांसे में लिया और चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुलाया। इसके बाद मथुरा ले जाने के बहाने कानपुर और फिर प्रयागराज अपने घर ले गया। वहां से किशोरी को मनीष भंडारी को 50 हजार रुपये में बेच दिया। हालांकि, किशोरी के रोने और पकड़े जाने के डर से मनीष ने उसे रखने से मना कर दिया और 45 हजार रुपये वापस लेकर किशोरी को संतोष को सौंप दिया।

किशोरी को तलाशने पुलिस की छह टीमें गठित की गई। पुलिस ने 8 जुलाई को किशोरी को बरामद कर लिया। किशोरी ने आपबीती के आधार पर गुरुवार को संतोष और मनीष को गिरफ्तार किया गया। संतोष के पास से रायबरेली की एक अन्य किशोरी भी बरामद हुई, जिसके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

संतोष पर लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, छत्तीसगढ़ और प्रतापगढ़ में 6 एफआईआर दर्ज हैं, जबकि मनीष पर 2 केस दर्ज हैं. संतोष केवल तीसरी कक्षा तक पढ़ा है, जबकि मनीष ने आठवीं तक पढ़ाई की है और वह ट्रेवेल्स में गाड़ी भी चलाता था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दी आंदोलन की चेतावनी

गजराज के परिवार को खोजे सरकार

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अशोकनगर के मुंगावली में गजराज लोधी के परिवार सहित 14 दिन से लापता होने का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस परिवार को सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं लाया गया तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। उन्होंने आज मीडिया से चर्चा करते हुए गजराज के परिवार सहित गुमशुदगी को लेकर उठाए गंभीर सवाल उठाए। पटवारी ने अपहरण या हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से जवाब दे और लापता परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने लाए।

श्री पटवारी ने कहा, 'गजराज लोधी ने खुद बताया था कि उनके साथ मारपीट हुई, उन्हें मल खिलाया गया, मोटरसाइकिल छीनी गई, धमकाया गया। इसके वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। वह लगातार 15 दिनों तक प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटते रहे, न्याय की गुहार लगाते रहे, लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। जब मैंने इस घटना की ओर सरकार का ध्यान दिलाया, तो सरकार की तानाशाही इतनी बढ़ गई कि मुझ पर ही एफआईआर दर्ज करवा दी गई। पीड़ित को न्याय नहीं मिला, बल्कि उसे अपराधी बना दिया गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि कांग्रेस इस मामले को अब यूं ही दबने नहीं देगी। यदि सरकार ने तत्काल कोई कदम नहीं उठाया, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी।

सीएससी कार्यशाला में बोले मंत्री सारंग

डिजिटल ट्रांजेक्शन में भारत देश एक नम्बर पर

भोपाल, देशबन्धु। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर जहां एक ओर लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है, वहीं इसके माध्यम से युवाओं को रोजगार के साधन भी उपलब्ध हो रहे है। देश के विकास में सरकार के लिये गये निर्णयों में सीएससी का गठन सबसे अग्रणीय निर्णय रहा। आज भारत देश डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में नम्बर एक पर है। मंत्री श्री सारंग ने यह बात सीएससी दिवस के उपलक्ष्य में आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित कार्यशाला में कहीं। इस अवसर पर सीएससी के राज्य प्रमुख अतुलित राय भी उपस्थित थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और कल्याण के कार्य किये जा रहे है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पारदर्शिता के साथ योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है, इसमें बीएलई की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर व्यक्ति में ईमानदारी और कर्तृत्व्य बोध है, इसे जगाने की जरूरत है। मंत्री श्री सारंग ने सुझाव दिया कि सीएससी में सुझाव और शिकायत की भी व्यवस्था हो और वर्ष में सीएससी में परफॉर्मेंस और उनके व्यवहार के आधार पर अवार्ड दिया जाए। उज्जैन, अशोकनगर, डिण्डोरी, दमोह, पन्ना, छिंदवाड़ा के एक-एक बीएलई, छतरपुर, सिवनी, देवास के दो-दो कुल 12 बीएलई उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किये गये।

20 लाख नये हितग्राहियों को पात्रता पर्ची मिलेगी

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिये ई-केवायसी करवाई जा रही है। गत 5 माह में एक करोड़ से अधिक हितग्राहियों की ई-केवायसी कराई जा चुकी है और अब लगभग 20 लाख नवीन पात्र हितग्राहियों को पात्रता पर्ची दी जा सकेगी। इन नवीन हितग्राहियों को पात्रता पर्ची जारी करने के लिये विंडो ओपन किया जा रहा है।

आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने जानकारी दी है कि प्रदेश की लगभग 27 हजार उचित मूल्य दुकानों पर लगाई गई पीओएस मशीन से पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी करने की व्यवस्था के अतिरिक्त वृद्ध, बच्चों के तथा हितग्राही द्वारा घर बैठे ई-केवायसी करने की सुविधा भारत सरकार के मेरा ई-केवायसी एप से फेस एथेंटिकेशन द्वारा करने की सुविधा दी गई है। सभी हितग्राहियों को ई-केवायसी कराने के लिये प्रतिमाह 2 से 3 बार एसएमएस किए गए। उचित मूल्य दुकानो पर इस संबंध में सूचना प्रदर्शित की गई। ई-केवायसी करने विशेष अभियान चलाया गया? अभियान के तहत ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की सूची स्थानीय निकाय, खाद्य विभाग एवं जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई गई। ग्राम एवं मोहल्ले में कैम्प लगाए गए। दिव्यांग/वृद्ध की घर-घर जाकर ई-केवायसी की गई। कैम्प में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग/नगरीय निकाय के अमले को लगाया गया। हितग्राही के ग्राम में ही पीओएस मशीन के माध्यम से ई-केवायसी किए गए।

मिसेज इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन 2025 हिमानी बोलीं

सपने की कोई उम्र नहीं, जरूरत है जुनून और आत्मविश्वास की

भोपाल, देशबन्धु। सपनों की कोई उम्र नहीं होती, परिवार की जिम्मेदारियों के साथ भी आप अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। जरूरत सिर्फ जुनून और आत्मविश्वास की है। यह कहना है भोपाल की फिटनेस ट्रेनर और हाल ही में पुणे के हयात होटल में आयोजित ब्यूटी पेजेंट कॉम्पिटीशन में मिसेज इंडिया एम्प्रेस ऑफ द नेशन 2025 का खिताब जीतने वाली हिमानी सिंह का।

उन्होंने पत्रकार वार्ता अपनी इस यात्रा पर विस्तार से बात की। हिमानी ने इस उपलब्धि को खास बताते हुए कहा कि एक साल पहले ही उन्होंने मिसेज मध्यप्रदेश का खिताब जीता था, जिससे उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ा। हिमानी ने बताया कि मेरे लिए यह यात्रा आसान नहीं रही। मैंने अपनी फिटनेस ट्रेनिंग के साथ-साथ ब्यूटी पेजेंट की तैयारी की और खुद को हर स्तर पर साबित किया। इस यात्रा में मुझे परिवार का भरपूर सहयोग रहा, जिसके बिना यह सफलता संभव नहीं हो पाती। हिमानी ने कहा, मेरे परिवार का समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझे हर कदम पर प्रेरित किया। हिमानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 29 जून को पुणे में किया गया। इसमें बॉलीवुड अभिनेता तनिषा मुखर्जी और रोहित रॉय बतौर सेलिब्रिटी जज शामिल हुए। इसमें देश-विदेश के कुल 53 प्रतिभागी शामिल हुए। एक के बाद एक हुए राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हिमानी ने गोल्ड कैटेगरी में खिताब जीता। प्रतियोगिता के विभिन्न दौरों में उन्हें रैम्प वॉक, इंटरव्यू और प्रश्नोत्तर राउंड से गुजरना पड़ा, जिनमें उन्होंने आत्मविश्वास और संवाद शैली के बल पर जीत हासिल की। इस अवसर पर द पेजेंट इंडिया कंपनी की मध्यप्रदेश चैप्टर की प्रमुख फराह अनवर, कला विशेषज्ञ हरिओम जटिया और दानिश मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश का नाम रोशन करना है

हिमानी ने बताया कि वह अब केवल खुद को ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश को भी गर्व महसूस कराना चाहती हैं। उनका सपना सिर्फ अपने राज्य को गर्व महसूस कराना नहीं है, बल्कि देश और दुनिया में मध्यप्रदेश का नाम रोशन करना है। हिमानी ने कहा कि अब उनका अगला लक्ष्य इंटरनेशनल प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करना है। इस अवसर पर फराह अनवर ने कहा कि हिमानी की यह जीत न केवल उनकी मेहनत का फल है, बल्कि हर महिला के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हिमानी ने साबित किया है कि सही दिशा और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

महिला उत्पीड़न को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित करना चाहिए

भोपाल, देशबन्धु। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2013 में लागू किया गया। इस कानून में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम पॉश 2013) महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी और मजबूत कानूनी संरचना के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि पॉश अधिनियम महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। पुलिस विभाग इसे केवल कानून प्रावधान नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में देखता है। कार्यस्थल पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित करना चाहिए। सुश्री मिश्रा आज मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा पं. सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013 पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में नियुक्ति के समय महिलाओं के साथ पुरूषों का भी ओरिएंटेशन किया जाना चाहिए। सुश्री मिश्रा ने कहा कि पॉश अधिनियम का उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करना, उत्पीड़न की घटनाओं को रोकना और समुचित समाधान की प्रक्रिया उपलब्ध कराना है। सुश्री मिश्रा ने कहा कि कार्यस्थल पर गठित समिति को देखना चाहिए कि पॉश अधिनियम का दुरूपयोग न किया जा रहा हो।

पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत कपूर ने कहा कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न दण्डनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में उत्पीड़न समिति के सदस्यों का नाम नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से लिखा होना चाहिए। साथ ही कार्यालय में पारदर्शिता से कार्य, सीसीटीवी और शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना चाहिए। श्री कपूर ने कहा कि इस अधिनियम के तहत पीड़िता की पहचान को गोपनीय रखते हुए पूरे मामले की संवेदनशीलता के साथ जांच की जाती है। म.प्र. बाल संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती निशा सक्सेना ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला कर्मचारियों को पॉश अधिनियम के प्रति जागरूक करना है। राज्य महिला आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने कहा कि पॉश अधिनियम की जानकारी सभी कर्मचारियों को देना संस्थानों की जिम्मेदारी है।

कार्यशाला में सुफल सर्व उत्थान फॉर आर्ट, लाइफ एण्ड कल्चर वेलफेयर सोसायटी की श्रीमती भावना त्रिपाठी ने कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न, निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स विश्व धरोहर के लिए नामित

दुनिया के 31 अन्य स्थलों के साथ होगा मूल्यांकन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 'मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने के लिए नामांकित किया गया है। इस प्रस्ताव का मूल्यांकन 6 से 16 जुलाई के बीच पेरिस में चल रहे यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) के 47वें सत्र में किया जा रहा है।

इस सत्र में दुनिया भर से कुल 32 नए स्थलों के नामांकन पर चर्चा की जा रही है, जिनमें भारत का यह ऐतिहासिक सैन्य तंत्र भी शामिल है। भारत की ओर से यह नामांकन 2024-25 चक्र के लिए प्रस्तुत किया गया है। इन 12 स्थानों में महाराष्ट्र का साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खांदेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु का जिन्जी किला शामिल है। इन किलों को देश के कई भौगोलिक और प्राकृतिक क्षेत्रों में इस तरह से बनाया गया था कि वे मराठा शासन की सैन्य ताकत को दर्शाते हैं। इनमें पहाड़ी क्षेत्रों, समुद्र के किनारे और अंदरूनी मैदानों पर बने किलों का अनोखा संगम देखने को मिलता है। विश्व धरोहर समिति की बैठक में 11 से 13 जुलाई के बीच 32 स्थलों की समीक्षा की जा रही है। भारत के इस नामांकन के साथ-साथ कैमरून का डीआईवाई-जीआईडी-बीआईवाई सांस्कृतिक क्षेत्र, मलावी का माउंट मुलंजे सांस्कृतिक परिदृश्य, और यूएई का फाया पैलियोलैंडस्केप जैसे स्थलों पर भी चर्चा की जा रही है। इसके अलावा दो पहले से ही यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स की सीमाओं में संभावित बदलाव के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। अगर इस नामांकन को यूनेस्को की विश्व हेरिटेज सूची में स्थान मिलता है, तो यह भारत के लिए गर्व का विषय होगा। इससे इन ऐतिहासिक स्थलों की वैश्विक मान्यता बढ़ेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, और इनके संरक्षण के प्रयासों को और गति मिलेगी।

क्या है मराठा मिलिट्री लैंड स्केप्स

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स में 12 किले और किलेबंद क्षेत्र शामिल हैं जो 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित किए गए थे। यह किले मराठा साम्राज्य की सैन्य शक्ति, रणनीति और निर्माण कला का अद्भुत उदाहरण माने जाते हैं। यह किले न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण थे। यूनेस्को के ऑपरेशनल गाइड लाइंस 2023 के अनुसार, हर देश एक बार में केवल एक ही नामांकन जमा कर सकता है। भारत ने इस चक्र के लिए मराठा मिलिट्री लैंड स्केप्स को चुना है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली * फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

जिला पंचायत की बैठक में खनिज अफसरों पर भड़के उपाध्यक्ष, बोले-

हम पौधे रोपें, आप उखाड़ दें, मेरे पास इसके सबूत

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल जिला पंचायत में शुक्रवार को हुई साधारण सभा की बैठक में उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट खनिज विभाग के अफसरों पर भड़क उठे। उन्होंने कहा कि सरकार पौधे रोप रही हैं। अभियान चला रही है। हमने भी जंगल और गांवों में पौधे रोपे, लेकिन खनिज खदानों के आसपास से इन्हीं पौधों को उखाड़ दिया गया। मेरे पास इसके सबूत है। यदि मैं गलत हूं तो इस्तीफा दे दूंगा।

उपाध्यक्ष श्री जाट ने खनिज अफसरों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जिले में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। जिम्मेदार अफसरों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। हमने जहां पर पौधे रोपे, उन्हें ही खनिज खदान संचालकों ने जेसीबी से उखड़वाकर फेंक दिया, जबकि खदान की निश्चित सीमा होती है और तार फ्रेंसिंग कराना पड़ती है। लेकिन पूरे जिले में नियम से ज्यादा खनन हो रहा है। इसमें जिम्मेदार भी शामिल हैं। उपाध्यक्ष की इस बात से सदस्य विनय मेहर, विक्रम भालेश्वर, रश्मि भार्गव ने भी सहमति जताई। सदस्य श्री मेहर ने कहा कि ऐसा पूरे जिले में ही हो रहा है। जनप्रतिनिधियों की बात सुनकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ईला तिवारी ने नाराजगी जताई और जिले की सभी खदानों के आसपास तार फेंसिंग कराने को कहा।

बैठक की शुरुआत में ही जनप्रतिनिधियों ने सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों की इमारतें जर्जर है। यहां हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा? सदस्य श्री मेहर ने कहा कि पथरिया के स्कूल का भवन 25 साल पुराना है। इसकी छत से पानी टपकता है। स्कूल तालाब में लग रहा है। 3 साल से ऐसा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल के बच्चे निजी स्कूल में इसलिए जा रहे कि स्कूल के भवन जर्जर है। सदस्य श्री भालेश्वर ने कहा कि भामरा में स्कूल की दीवार गिर चुकी है। बावजूद टूटे हुए स्कूल में बच्चों को बैठाया जाता है। ऐसी क्या मजबूरी है? उपाध्यक्ष श्री जाट ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी सभी स्कूलों का निरीक्षण करें। सदस्य श्री भार्गव ने कहा कि अधिकारी अभी तो बोल देंगे लेकिन बाद में कोई काम नहीं करेंगे। सदस्यों के इस मुद्दे पर जिला शिक्षा अधिकारी आरके यादव ने कहा कि ऐसी इमारतों की जांच करवाई जा रही है। जितने संसाधन है, उनसे काम करवा रहे हैं। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचई, कृषि, पीडब्ल्यूडी, वन, प्रधानमंत्री सड़क, महिला एवं बाल विकास समेत कई विभागों और आयुष्मान कार्ड की समीक्षा भी हुई। बैठक में जिपं अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि दीपक गुर्जर भी मौजूद थे।

एसडीएम को बुलाने पर हुई नोंकझोंक

बैठक में एसडीएम और पुलिस अधिकारियों को बुलाने की बात सदस्यों ने उठाई। इसी मुद्दे पर सीईओ ईला तिवारी और फंदा जनपद अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत के बीच नोंकझोंक भी हो गई। सीईओ ने लिखित में प्रस्ताव देने की बात कहीं। इस पर श्री राजपूत ने कहा कि हमने पूर्व में लिखित में दिया था। सदस्य भालेश्वर ने भी अधिकारियों को बुलाने की बात कही। अध्यक्ष राजपूत ने अफसरों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा दिए। इस पर सीईओ नाराज हो गईं। उन्होंने ऐसा कहने से मना किया। इस बात पर करीब 10 मिनट तक बैठक में गहमागहमी का माहौल रहा। इसके बाद उपाध्यक्ष और सदस्यों ने मामला शांत कराया।

ड्यूटी से गायब चिकित्सकों पर गिरी गाज, वेतन कटा

नोटिस भी थमाया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनीष शर्मा ने शहर के स्वास्थ्य संस्थानों में कार्य के प्रति लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ पर सख्त रुख अपनाया है। इसके चलते गत 9 जुलाई को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में गैरमौजूद रहने पर संबंधितों के खिलाफ वेतन कटौती और कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, नटखट चौराहा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमित त्यागी शिविर में बिना पूर्व सूचना के गैरहाजिर पाए गए थे। इस पर उनके खिलाफ सात दिन के वेतन की कटौती करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, दशमेश नगर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. आयुष्मान सिंह और नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती दुर्गेश्वरी पटैया ओपीडी समय में संस्था से गैरमौजूद रहे। इस पर दोनों को कारण बताओ नोटिस के साथ सात दिन का वेतन काटने का आदेश जारी किया गया है। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि समय पर स्टाफ की अनुपस्थिति से मरीजों को इलाज में दिक्कत होती है। ऐसे में उन्हें सिविल अस्पताल या जिला अस्पताल की शरण लेनी पड़ती है। संबंधितों को जवाब देने के लिए कहा गया है, संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अरशद के गुर्गे का जुलूस निकाला

भोपाल, देशबन्धु। टीलाजमालपुरा थाना पुलिस ने बदमाश अरशद बब्बा के गुर्गे बबलू खान उर्फ बड़ा कालू का शुक्रवार को जुलूस निकाला। उसे गुरुवार को क्षेत्र में तलवार के साथ गिरफ्तार किया गया था। थाना प्रभारी डीपी सिंह के मुताबिक, आरोपी बबलू खान उर्फ बड़ा कालू हरीमजार क्षेत्र में बदमाश अरशद बब्बा के जुए और सट्टे के अड्डे संचालित करने का काम करता था। वह जुए के अड्डों से होने वाली अवैध उगाही का हिसाब किताब रखता था। इसके साथ ही कई वारदातों को अंजाम दे चुका है।उसका लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। उसने तीन साल पहले काजी कैंप पर रंगदारी नहीं देने पर एक होटल कारोबारी का हाथ काट दिया था। लंबे समय से पुलिस को उसकी तलाश थी। लेकिन वह लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को उसे इस्लामी गेट के पास से पकड़ा था। जहां वह तलवार लहराकर लोगों को डरा रहा था। अब पुलिस अरशद बब्बा के बाकी गुर्गों का पता लगा रही है।

मांस दुकान संचालक से वसूला 50 हजार रुपए का जुर्माना

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में सावन के पहले दिन शुक्रवार को मांस दुकानों को लेकर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की। इसके तहत जोन-17 के हाउसिंग बोर्ड चौराहे पर एक मांस दुकान के संचालक पर 50 हजार रुपए का जुर्माना किया गया।

जोन-17 के स्वास्थ्य अधिकारी रामरतन लोहिया ने बिना लायसेंस के चिकन, मटन का व्यवसाय करने, गंदगी फैलाने और घटिया पन्नी का उपयोग करने पर बॉम्बे चिकन शॉप संचालक और सप्लायर पर 50 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। इसके आलावा अन्य प्रकरणों में करीब 12 हजार रुपए जुर्माने के रूप में वसूले गए।

जर्जर भवन तोड़ा-निगम अमले ने जोन-2 के अंतर्गत वार्ड-21 में जर्जर भवन को तोड़ने की कार्रवाई की। जुमेराती जनकपुरी में वर्ष 1945 में बना भवन काफी जर्जर हो गया था। गत दिवस इसका कुछ हिस्सा भी गिर गया था। इसके चलते निगम अमले ने इसे जमींदोज कर दिया।

अतिक्रमण हटाया -निगम अमले ने करोंद हाउसिंग बोर्ड, एलबीएस हॉस्पिटल, द्वारका नगर, अशोका गार्डन मंडी चौराहा, परिहार चौराहा, दुर्गेश विहार कॉलोनी, अयोध्या नगर, कोलार सनखेड़ी, गिरधर परिसर, चूना भट्टी, जेके हॉस्पिटल, डी-मार्ट, बीमाकुंज, पंचशील नगर, भारत माता चौराहा, टीटी नगर गुरुद्वारा, स्मार्ट सिटी क्षेत्र, लिंक रोड नं-1, 2 और 3, जवाहर चौक आदि क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। करोंद हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में सड़क किनारे अवैध रूप से बनाए गए छप्पर, बोर्ड, एंगल आदि अतिक्रमण को हटाया। स्मार्ट सिटी क्षेत्र में रखी 1 अवैध गुमठी जब्त किया गया। इसके आलावा करीब छह ट्रक सामान भी जब्त किया गया।

15 कंडम वाहन जब्त

इधर, जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस ने मिलकर कई इलाकों से सड़क किनारे खड़े 15 से ज्यादा कंडम वाहन जब्त किए गए। नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियां भी जब्त की गई। यह कार्रवाई जहांगीराबाद से शुरू हुई, जो कई इलाकों में चलती रही।

सेंट पॉल्स स्कूल में नवनियुक्त छात्र परिषद ने ली शपथ

भोपाल, देशबन्धु। सेंट पॉल्स स्कूल, आनंदनगर में सीनियर और जूनियर विंग्स के लिए इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद के सदस्यों का आधिकारिक रूप से मंच से परिचय कराया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत से हुई। डीएसपी यातायात हर्ष शर्मा और एसीपी गोविंदपुरा सुश्री अदिति बी. सक्सेना क्रमश: सीनियर और जूनियर विंग्स के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थी नेताओं को निष्ठा, साहस और जिम्मेदारी के साथ सेवा करने के लिए प्रेरित किया। दोनों विंग्स के कैबिनेट सदस्यों ने गर्व के साथ शपथ ली, जिनमें सीनियर छात्र परिषद अध्यक्ष मंदीप मीणा उपाध्यक्ष ऐलन टाइटस,कप्तान आर्यन सचान ,उपकप्तान महक बुलचंदानी ,सचिव ध्रुव कटारे,स्कूल सह-सचिव शुभ शुक्ला एवं जूनियर छात्र परिषद अध्यक्ष निशांत राज ,उपाध्यक्ष आस्था कुशवाह कप्तान याशिका श्रीवास्तव शामिल थे। प्रचार्य डॉ.फादर थॉमस के प्रेरणादायक शब्दों ने इस अवसर को और भी विशेष बनाया। समारोह का समापन नव नियुक्त अध्यक्षों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित

संत हिरदाराम नगर, देशबन्धु। संत हिरदाराम नगर स्थित सिविल अस्पताल में शुक्रवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने की। बैठक में अस्पताल के नए भवन के निर्माण, स्टाफ की कमी, चिकित्सा उपकरणों की जरूरत और मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश गौहरगंज के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश गौहरगंज जिला रायसेन

Presiding Officer: संतोष बघेल

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (UN CIV/0000047/2022)

सुमित्रा बाई,..आवेदक

Vs

रीना साहू,..अनावेदक

Talwana ID 1182/2025

Process Id-/2025

पेशी दिनांक: **28.07.2025**

प्रेषिती-

(1) सर्वसाधारण पता सर्वसाधारण, (2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमित्रा बाई पत्नी प्रभुलाल साहू पता ग्राम चिकलौद कलां तहसील गौहरगंज जिला रायसेन म.प्र. ने आपके विरूद्ध भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 384, 388 राशि / संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक **28 July 2025** को नियत है।.

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक **28 July 2025** को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 02 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

संतोष बघेल
जिला न्यायाधीश गौहरगंज के
न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश
गौहरगंज जिला रायसेन म.प्र.

कृपया ध्यान दें: 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायालय तहसीलदार, नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़)वृत्त, जिला-भोपाल

(पुराना जिला पंचायत भवन, जिला भोपाल)

प्रकरण क्रमांक 0601/अ-6/2025-26

सार्वजनिक नोटिस

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1. लक्ष्मण प्रजाति पुत्र श्री सोहन प्रजापति 2. श्रीमती माया पति श्री लक्ष्मन प्रजापति निवासी-शहर भोपाल ने ग्राम-नेवरी तहसील हुजूर जिला भोपाल भूमि खसरा क्रमांक 81/3/84/1/2/क/2 एवं 84/1/1 रकबा 1.053 हे. का अशंभाग स्थित होकर भूखण्ड क्रमांक-61 का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है जो कि इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

उपरोक्त प्रश्नाधीन भूमि के संबंध में विधिक कार्यवाही किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो, तो अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बीत जाने के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
नजूल संत हिरदाराम वृत्त, बैरागढ़ भोपाल

न्यायालय तहसीलदार, नजूल संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़)वृत्त, जिला-भोपाल

(पुराना जिला पंचायत भवन, जिला भोपाल)

प्रकरण क्रमांक 0628/अ-6/2025-26

सार्वजनिक नोटिस

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक 1. इशिका खेमचंदानी पति श्री दीपक खेमचंदानी 2. सिमरन खेमचंदानी पुत्री श्री राहुल खेमचंदानी निवासी-शहर भोपाल ने ग्राम-लाऊखेडी तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित भूखण्ड क्रमांक-5 भूमि खसरा क्रमांक 232/2/5/2, 123/2/2/1, 232/2/5/2 का अंशभाग रकबा 800 वर्गफिट का अशंभाग होकर भूखण्ड क्रमांक-61 का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदक पेश किया है जो कि इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

उपरोक्त प्रश्नाधीन भूमि के संबंध में विधिक कार्यवाही किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो, तो अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बीत जाने के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 11.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा से जारी किया गया ।

तहसीलदार

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्र./नामा.शा./न.नि./2025-26/20 सागर दिनांक 10.07.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सागर सीमांतर्गत नीचे दिए गए भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्राप्त हुए है। अतः इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अंदर आयुक्त नगर पालिक निगम सागर के नाम से प्रस्तुत कर सकते है।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस अधार पर	नाम बेचवार/वसीयतनामा/ दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1	561/ 25-26	पुरव्याऊ	रजि.बैनामा, शपथ पत्र	प्रेमबाई पति किसनलाल, नीलेश कुमार पिता किसनलाल एवं जवाहरलाल पिता मौतीलाल चौरसिया	हेमवती पति ओमकार रैकवार
2	562/ 25-26	पुरव्याऊ	रजि. दानपत्र, शपथ पत्र	रामप्यारी पति स्व. बाबूलाल ठाकुर	सतपाल सिंह पति रामेन्द्र सिंह ठाकुर
3	563/ 25-26	पुरव्याऊ	मृत्यु-प्रमाण पत्र, शपथ पत्र	छोटेलाल पिता स्व. नन्हेलाल चौरसिया	लक्ष्मीकांत पिता स्व.छोटेलाल एवं कौशल्या पति स्व. उमेश, आशीष, अभिषेक पिता स्व.उमेश चौरसिया
4	564/ 25-26	सूबेदार	मृत्यु-प्रमाण पत्र शपथ पत्र	काशीराम पिता हरिराम अहिरवार	उमेश पिता काशीराम अहिरवार
5	565/ 25-26	नरयावली नाका	मृत्यु-प्रमाण पत्र शपथ पत्र	राधाबाई पति स्व. रामसेवक बरसैंया	मुकेश, माया, दीपक पिता स्व. रामसेवक बरसैंया
6	566/ 25-26	तुलसीनगर	रजि.बैनामा शपथ पत्र	जावेद पिता अब्दुल हसन	राशिदा पति मुह. लतीफ मुसलमान
7	567/ 25-26	तुलसीनगर	रजि. बैनामा शपथ पत्र	मु. परवेज वल्द हसन खान	रफीक वल्द मुह. लतीफ
8	568/ 25-26	रविदास	रजि. बैनामा शपथ पत्र	बाबूलाल पिता कुन्दनलाल जैन	मीना पति अजीत जैन
9	569/ 25-26	तिलकगंज	रजि.बैनामा मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र	विमला पति लख्मीचंद जैन	सत्येन्द्र कुमार, मनीष कुमार पिता स्व. लख्मीचन्द्र जैन
10	570/ 25-26	अम्बेडकर	रजि.बैनामा शपथ पत्र	ज्योति पति कलू प्रजापति	रीना पति देवशरण भट्ट

कृते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, सागर

न्यायालय अपर तहसीलदार, राजधानी परियोजना टी.टी.नगर वृत्त भोपाल

(जवाहर चौक, बारह दफ्तर, शेड नं. 06)

प्र. क्र. 0004/अ-3/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कमला अजवानी पत्नी डॉ. एम. के. अजवानी निवासी-भोपाल द्वारा ग्राम-बरखेड़ीकलां स्थित भूमि खसरा नंबर 41/1/1/25 रकबा 0.1050 हेक्टेयर भूमि का बटान किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह इस इश्तहार/प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है । समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक 07/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
राजधानी परियोजना
टी.टी.नगर, भोपाल

अभिमत

शहरों व कस्बों की नदियों के आसपास अतिक्रमण हो रहा है, उस पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जब से जमीनों के दाम बढ़े हैं तब से यह सिलसिला बढ़ रहा है। इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी कम हो गई है। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। पक्षी व जल जीवों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है।

बाढ़ क्यों स्थायी समस्या बन गई है?

इन दिनों लगातार बारिश हो रही है। नदी-नाले, ताल—तलैया सभी उफान पर हैं। चारों तरफ पानी ही पानी है। नदियों में बाढ़ से नुकसान की खबरें आ रही हैं। लेकिन यह हर साल की समस्या है, बाढ़ अब मौसमी नहीं, स्थायी समस्या बन गई है, बल्कि लगातार बढ़ रही है। हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। आज इस कॉलम में इसी पर बात करना चाहूंगा, जिससे बाढ़ की समस्या को समझा जा सके।

नदियों में पहले भी बाढ़ आती थी। बारिश पूरे चार महीने होती थी। झड़ी लगी रहती थी। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होता था। अब बारिश के दिन कम हो गए हैं। कुछ ही समय में बारिश ज्यादा हो जाती है। पहले जब बाढ़ आती थी, तब वह इतने व्यापक पर कहर नहीं ढाती थी। इसके लिए गांव वाले तैयार रहते थे। बल्कि इसका उन्हें इंतजार रहता था।

खेतों को बाढ़ के साथ आई नई मिट्टी लाती थी, भरपूर पानी लाती थी जिससे प्यासे खेत तर हो जाते थे। पीने के लिए पानी मिल जाता था, भूजल ऊपर आ जाता था, नदी नाले, ताल-तलैया भर जाते थे। समृद्धि आती थी। बाढ़ आती थी, मेहमान की तरह जल्दी ही चली जाती थी।

लेकिन अब वनों की और पेड़ों की कटाई हो गई है। भूक्षरण ज्यादा हो रहा है। पानी को स्पंज की तरह अपने में समोने वाले जंगल कम हो गए हैं। जंगलों के कटान के बाद झाड़ियां और चारे जलावन के लिए काट ली जाती हैं। जंगल और पेड़ बारिश के पानी को रोकते हैं। वह पानी को बहुत देर तो नहीं थाम सकते लेकिन पानी के वेग को कम करते हैं। स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। लेकिन पेड़ नहीं रहेंगे तो बहुत गति से पानी नदियों में आएगा और बरबादी करेगा। और यही हो रहा है।

पहले नदियों के आसपास पड़ती जमीन होती थी, नदी- नाले होते थे, लम्बे- लम्बे चारागाह होते थे, उनमें पानी थम जाता था। नदियों के अतिरिक्त पानी की ठेल ऐसी जगह होती थी। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे- नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जगह किसी अन्य गतिविधियों के लिए काम आती है।

बढ़ता शहरीकरण और कांक्रीट से कांक्रीट निर्माण भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। बहुमंजिला इमारतें, सड़कों राजमार्गों का जाल बन गया है। नदियों का प्राकृतिक प्रवाह अवरूद्ध हो गए हैं। जहां पानी निकलने का रास्ता नहीं रहता है, वहां दलदलीकरण की समस्या हो जाती है। इससे न केवल फसलों को नुकसान होता है बल्कि कई बीमारियां भी फैलती हैं। जो तटबंध बने हैं, वे टूट-फूट जाते हैं जिससे लोगों को बाढ़ से बाहर निकलने का समय भी नहीं मिलता। इससे जान-माल की हानि होती रहती है।

शहरों व कस्बों की नदियों के आसपास अतिक्रमण हो रहा है, उस पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जब से जमीनों के दाम बढ़े हैं तब से यह सिलसिला बढ़ रहा है। इसी प्रकार वेटलैंड (जलभूमि) की जमीन पर भी कम हो गई है। इससे पर्यावरणीय और जैव विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। पक्षी व जल जीवों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है।

शहरों में तो यह समस्या बड़ी है। पानी निकलने का रास्ता ही नहीं है। सब जगह पक्के कांक्रीट के मकान और सड़कें हैं। जैसे कुछ बरस पहले मुंबई की बाढ़ का किस्सा सामने आया था। वहां की नदी ही गायब हो गई, और जब पानी आया तो शहर जलमग्न हो गया। ऐसी हालत ज्यादातर शहरों की हो जाती है। शहरों की नदियां या तो गटर में तब्दील हो गई हैं, या फिर गायब ही हो गई हैं। शहर अपनी सारी गंदगी इन्हीं नदियों में डाल देता है।

लेकिन बाढ़ के कारण और भी हैं। जैसे नदियों में रेत कम होना। रेत भी पानी को स्पंज की तरह सोखकर रखती है। अगर रेत ही नहीं रहेगी तो पानी कहां रहेगा। इसके अलावा नदियों के किनारे तट लंबे-चौड़े होते थे, जिससे पानी फैल जाता था। उसके आसपास नालों में पानी चला जाता था, जिससे पानी का वेग कम हो जाता था। पानी को ठहरने की जगह मिल जाती थी और नदियों का प्रवाह कम होने से बाढ़ से नुकसान भी कम होता था।

नवाचार

■ बाबा मायाराम

कई बांध व बड़े जलाशयों में नदियों को मोड़ दिया जाता है, उससे नदी ही मर जाती हैं। नदियां बांध दी जाती हैं। निचले हिस्से में लोग समझते हैं, नदी ही नहीं तो वे उसकी जमीन पर खेती करने लगते हैं या कोई और उपयोग, तो जब बारिश ज्यादा होती है तो पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता। इससे बाढ़ से बरबादी होती है।

इसके अलावा, कई बार बांधों से पानी छोड़ने के कारण भी बाढ़ की समस्या बढ़ जाती है। क्योंकि एकदम से पानी छोड़ने से नदियां उफान पर आ जाती हैं, और बाढ़ आ जाती है। जिन बांधों को कभी बाढ़ नियंत्रण का समाधान बताया जाता था, अब उनके कारण ही कई बार बाढ़ आ जाती है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं।

मौसम बदलाव भी एक कारण है। पहले सावन भादो के महीने में लम्बे समय तक झड़ी लगी रहती थी। कभी-कभी हफ्ते भर बारिश होती थी। सूर्य के दर्शन भी नहीं होते थे। लोग घरों से निकल नहीं पाते थे। घरों में ही रहकर रस्सी बनाने जैसे छोटे-मोटे काम करते थे।

इस तरह, लगातार बारिश का पानी फसलों के लिए और भूजल पुर्नभरण के लिए बहुत उपयोगी होता था। फसलें भी अच्छी होती थी और धरती का पेट भी भरता था। पर अब अब बड़ी-बड़ी बूंदों वाला पानी बरसता है, जिससे कुछ ही समय में बाढ़ आ जाती है। वर्षा के दिन भी कम हो गए हैं।

पहाड़ी नदियों में बाढ़ थोड़ी ही बारिश से आ जाती है। क्योंकि ऊपर पहाड़ यानी चट्टानें होती हैं, जिनमें पानी सरपट दौड़ता है। उसे रूकने व ठहरने का कोई स्थान नहीं मिलता। इससे कई बार जो मछुआरे समुदाय तरबूज-खरबूज की खेती करते हैं। उनकी वह फसल पानी में बह जाती है। इससे उन्हें बहुत नुकसान होता है।

मछुआरों का यह नुकसान इसलिए भी बड़ा होता है, क्योंकि यह मछुआरे समुदाय ज्यादातर भूमिहीन होते हैं, और इस फसल पर उनकी निर्भरता ज्यादा होती है। अगर बाढ़ में यह फसल बह जाती है, तो उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कुल मिलाकर, पानी के परंपरागत ढांचों की भी भारी उपेक्षा हुई है। ताल, तलैया, तालाब, कुएं खेतों में मेड़ बंधान आदि से भी पानी रूकता है। लेकिन इन सबकी उपेक्षा हो रही है। आज कल इन पर ध्यान न देकर भूजल के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता है। हमारी बरसों पुरानी परंपराओं में ही आज की बाढ़ जैसी समस्या के समाधान के सूत्र छिपे हैं। अगर ऐसे समन्वित विकल्पों पर काम किया जाए तो न केवल बाढ़ जैसी बड़ी समस्या से निजात पा सकते हैं। बल्कि पर्यावरण और जैव-विविधता और बारिश के पानी का संरक्षण कर सकेंगे। नदियों को भी बचा सकते हैं, और धरती का पुनर्भरण भी कर सकते हैं। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

पहले नदियों के आसपास पड़ती जमीन होती थी, नदी-नाले होते थे, लम्बे-लम्बे चारागाह होते थे, उनमें पानी थम जाता था। नदियों के अतिरिक्त पानी की ठेल ऐसी जगह होती थी। बड़ी नदियों का ज्यादा पानी छोटे-नदी नालों में भर जाता था। लेकिन अब उस जगह पर भी या तो खेती होने लगी है या वह जगहकिसी अन्य गतिविधियों के लिए काम आती है।

बीता सप्ताह

5 जुलाई
- उपसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में तीन दुश्मनों ने लड़ी जंग।
- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका खारिज की कि मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद विवादित ढांचा नहीं है।
- सब लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया बनी नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट।
- रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी।

6 जुलाई
- पर्यटन, कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगी उप्र-जापान की साझेदारी।
- टेक्सास में बाढ़ से 13 लोगों की जान गई। 20 से अधिक बच्चे हुए लापता।
- राजनीति के इतिहास में 20 साल बाद साथ आए दोनों भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे।
- भगोड़े हीरा व्यापारी पीएनबी बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई मेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया।

7 जुलाई
- पीएम नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे।
- एलन मस्क ने अमेरिका में अमेरिका पार्टी नाम से बनाया नया दल।
- पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा सरकारी बंगला अभी तक खाली नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को नोटिस दिया।
- विश्व मुक्केबाजी कम युवा साक्षी ने भारत के लिए जीता स्वर्ण पदक।

8 जुलाई
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने जस्टिस वर्मा केस मामले में कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा पर नोटों बंडल निकलने को लेकर तुरंत एफआईआर की जरूरत है।
- पीएम मोदी ने ब्रिक्स समूह को नया आयाम देते हुए कहा कि ब्रिक्स देश घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे।
- छग में आईएएस यशवंत कुमार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाए गए।
- छग में कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार जल, जंगल, जमीन सब अडानी को सौंप रहीं है।

9 जुलाई
- इजरायल सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया।
- पीएम मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे।
- स्विटजरलैंड में बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा कोर्टेम बेबी को दी गई मंजूरी।
- 20 सालों में बच्चों पर सबसे बड़ा अध्ययन में पता चला कि अमेरिका में बच्चों की सेहत सबसे ज्यादा बिगड़ रही।

10 जुलाई
- पीएम नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक का सम्मान 'आर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट बेल्विशिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया।
- वायुसेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटना ग्रस्त हो गया। दोनों पायलट की मौत।
- इसरो ने गगनयान मिशन के इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया।
- राहुल गांधी ने पटना में कहा कि सरकार बिहार में वोट चुराने की कोशिश कर रही है।

11 जुलाई
- बिहार में वोटर वेरिफिकेशन पर रोक से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार। औरु झाव दिया कि आधार, राशन कार्ड को ाी पहचान पत्र माना जाए।
- छग सरकार ने कलेक्टरों को दिया तीन माह के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम का अधिकार।
- पांच देशों की यात्रा के बाद पीएम मोदी आज स्वदेश लौट आ गए।
- गुजरात का महिसागर पुल ढह जाने से 17 लोगों की जान गई।

मज़दूरों की अखिल भारतीय हड़ताल की बड़ी सफलता एक चेतावनी

■ पी. सुधीर

9 जुलाई को ऐतिहासिक हड़ताल में करोड़ों मेहनतकश लोग सड़कों पर उतर आये। पहले से तय इस हड़ताल को पहलगाम में निर्दोष नागरिक पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बाद लगभग डेढ़ महीने के लिए स्थगित करना पड़ा था। फिर भी, लोगों पर थोपी गयी मज़दूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ़ प्रतिरोध की भावना अडिग रही।

मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष को तब और बल मिला जब सरकार ने तीन प्रमुख श्रम संहिताओं- औद्योगिक संबंध (आईआर) संहिता; व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां (ओएसएच) संहिता; और सामाजिक सुरक्षा संहिता - को पारित किया। वेतन संहिता, 2019 के साथ, ये चार संहिताएं-44 मौजूदा श्रम कानूनों को समेकित और प्रतिस्थापित करती हैं। ये संहिताएं श्रमिकों के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं- वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा एवं कल्याण- से संबंधित हैं। संक्षेप में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा संचालित कॉर्पोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ के एजंडे को आगे बढ़ाने के लिए श्रमिक वर्ग के कठिन परिश्रम से प्राप्त अधिकारों को व्यवस्थित रूप से समाप्त किया जा रहा है।

मेहनतकश लोगों द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प, अपने कॉर्पोरेट प्रायोजकों और विदेशी सहयोगियों को खुश करने के लिए बेताब सरकार के लिए एक स्पष्टचेतावनी है। सरकार मेहनतकश लोगों की मांगों को स्वीकार करती है या नहीं, यह उन पर निर्भर है। लेकिन एक बात तय है: कोई पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई और भी बढ़ेगी- और भी मजबूत लहरों तथा और भी व्यापक एकता के साथ - जो इसे आगे ले जायेगी।

9 जुलाई की हड़ताल का उद्देश्य इस हमले का प्रतिरोध करना था। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस हड़ताल को न केवल देश भर के सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों और औद्योगिक महासंघों का समर्थन प्राप्त था, बल्कि सभी प्रकार के श्रमिकों का भी समर्थन प्राप्त था। निर्माण क्षेत्र जैसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से लेकर वित्तीय क्षेत्र के कर्मचारियों, गिग श्रमिकों और प्रवासी श्रमिकों तक - सभी ने एक स्वर में अपनी आवाज़ उठायी।

किसानों के सबसे व्यापक मंच- संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का सक्रिय समर्थन और भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करने की मांग का समर्थन करने के साथ-साथ, किसान संगठनों ने गहराते कृषि संकट को उजागर किया और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की लंबे समय से लंबित मांग को उठाया। कृषि श्रमिक संघों ने ग्रामीण रोज़गार और मनरेगा योजना के लगातार क्षरण पर गंभीर चिंताएं जतायीं।

मज़दूरों, किसानों और खेतिहर मज़दूरों का यह एकजुट होना एक ऐतिहासिक क्षण है - शायद पहली बार इतनी व्यापक एकता उभरी है। यह आजीविका के व्यापक और गहराते संकट को दर्शाता है जिसका सामना देश के अधिकांश मेहनतकश लोग अब कर रहे हैं।

एक तरह से, यह अब केवल आजीविका का संकट नहीं रहा, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई बन गयी है। 9 जुलाई की कार्रवाई की तीव्रता प्रस्तावित श्रम संहिताओं द्वारा उत्पन्न व्यापक खतरे से उपजी थी, जो लगभग सभी नियामक ढांचों को ध्वस्त करके और मज़दूरों के लिए बची-खुची कानूनी सुरक्षा को भी छीनकर कॉर्पोरेट्स को पूरी तरह से खुली छूट देने का संकेत देती हैं। यह बेहद विडंबनापूर्ण है कि सरकार ने इन संहिताओं को मज़दूर-समर्थक पहल के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

सत्ता प्रतिष्ठान की बहादुरी के बावजूद, यह बात तेज़ी से साफ़ होती जा रही है कि सरकार अपने इस पाखंड के बढ़ते सार्वजनिक प्रदर्शन से वाकिफ़ है। काम की स्थितियां इतनी ज़्यादा और इतनी बुरी तरह बिगड़ चुकी हैं कि अब उन्हें नकारा नहीं जा सकता। मेहनतकश जनता की बदतर होती स्थिति के दो प्रमुख कारण हैं- बढ़ती बेरोज़गारी और असमानता में तेज़ वृद्धि।

यहां तक कि 31 जनवरी, 2025 को संसद में पेश किये गये आर्थिक सर्वेक्षण 2024 को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना पड़ा। इसमें कहा गया है कि सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में श्रम की हिस्सेदारी में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन कॉर्पोरेट मुनाफ़े में असमान रूप से वृद्धि हुई है - खासकर बड़ी कंपनियों में - जो आय असमानता की बढ़ती खाई को रेखांकित करता है।

सरकार ने जहां मज़दूरों और अन्य मेहनतकश तबकों के अधिकारों पर व्यापक हमला किया, वहीं दूसरी ओर उसने कॉर्पोरेट्स को 1.45 लाख करोड़ रुपये का अभूतपूर्व तोहफ़ा भी दिया, जो शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कुल बजट आवंटन से भी ज़्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में भयावह सामाजिक स्थितियां स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती हैं, और कुछ अर्थशास्त्रियों ने तो यहां तक कहा है कि आज भारत में असमानता ब्रिटिश शासन के दौरान देखी गयी असमानता से भी अधिक है।

इसके विपरीत, कॉर्पोरेट अभिजात वर्ग की संपत्ति में नाटकीय वृद्धि देखी गयी है। 2014 में 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले अरबपतियों की संख्या 100 थी; अब यह आंकड़ा दोगुना होकर 200 हो गया है। शीर्ष 100 अरबपतियों की संयुक्त संपत्ति 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (10 खरब रुपये से अधिक) को पार कर गयी है। धन का यह अत्यधिक संचय, बहुसंख्यक कामकाजी लोगों की वास्तविक आय में भारी गिरावट के साथ-साथ चला है। यह गहरा अन्याय है, जो हर सांस और पसीने की बूंद में महसूस किया जाता है, जिसकी अभिव्यक्ति 9 जुलाई को हुए जन आंदोलन में हुई।

श्रम संहिताएं अनिवार्य रूप से 'श्रम बाजार लचीलेपन' की बहुप्रचारित अवधारणा को संस्थागत रूप देने का काम करती हैं- एक अवधारणा जो पहली बार भाजपा के 2009 के चुनाव घोषणापत्र में सामने आयी थी। हकीकत में, यह क्रूर जब मन हो 'नौकरी दो और निकाल दो' व्यवस्था के लिए एक व्यंजना से अधिक कुछ नहीं है, जो वर्तमान में न्यूनतम सुरक्षा को भी समाप्त करने में सक्षम है।

श्रम के व्यापक ठेकाकरण के कारण, केवल लगभग 4 प्रतिशत कार्यबल ही आउटसोर्सिंग के दायरे और शोषणकारी 'स्वेटशॉप' वातावरण से बाहर रह गया है। श्रम संहिताओं का ज़ोर कार्यबल के इस छोटे से हिस्से के भी ट्रेड यूनियन अधिकारों को और कमज़ोर करने पर है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान के अनुरूप है, जिसकी विशिष्ट विशेषता ट्रेड यूनियनों और उनके सामूहिक सौदेबाजी के अधिकारों का विघटन रही है।

सरकार के दावे इतने हास्यास्पद हो गये हैं कि अब वह भारत को दुनिया की चौथी सबसे समान अर्थव्यवस्था घोषित करने के लिए संदिग्ध शोध का हवाला दे रही है, जो एक स्पष्ट रूप से बेतुका दावा है। ऐसा करते हुए, वह आय के आंकड़ों की जगह व्यय के आंकड़ों को पेश कर रही है, जो जितना विचित्र है उतना ही बेईमान भी है।

9 जुलाई को मेहनतकश लोगों द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प, अपने कॉर्पोरेट प्रायोजकों और विदेशी सहयोगियों को खुश करने के लिए बेताब सरकार के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है। सरकार मेहनतकश लोगों की मांगों को स्वीकार करती है या नहीं, यह उन पर निर्भर है। लेकिन एक बात तय है- कोई पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई और भी बढ़ेगी- और भी मजबूत लहरों तथा और भी व्यापक एकता के साथ - जो इसे आगे ले जायेगी।

महाराष्ट्र : एक बार फिर से दहाड़ रहा है बाघ

बालासाहेब केशव ठाकरे द्वारा 1966 में शिवसेना की स्थापना के बाद से लगभग छह दशकों तक उनकी पार्टी एक ऐसे राज्य में राजनीति की केंद्र रही है जो पारम्परिक रूप से कांग्रेस शासित था। पश्चिमी महाराष्ट्र के शक्कर क्षत्रपों का राज्य पर नियंत्रण था। दहाड़ता बाघ शिवसेना का पर्याय बन गया था। शिवसेना जल्द ही 'मराठी मानुष' के लिए नौकरियों की तलाश करने वाले एक सामाजिक संगठन से हिंदू हितों की हिमायत करने वाली राजनीतिक पार्टी में बदल गई। एक क्षेत्रीय संगठन से साम्प्रदायिक संगठन में बदलाव, सड़क से राज्य स्तर की पार्टी बनने की प्रक्रिया इसके संस्थापक की लोकप्रियता के आसपास घूम रही थी। शिवसेना को 1989 में धनुष-बाण चुनाव चिह्न प्रदान किया गया और शिवसेना पूरे राज्य और महाराष्ट्र से बाहर भी पहचानी जाने लगी लेकिन जैसे-जैसे वह विभाजित और बंटती चली गयी, उसका दबदबा लगातार घटता गया। चुनाव आयोग ने फरवरी, 2023 में शिवसेना के एक गुट को पार्टी का चुनाव चिन्ह प्रदान किया और बाघ की दहाड़ कम हो गयी। अलग होने के दो दशक बाद अब बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे और भतीजे राज ठाकरे फिर से मिल गए हैं। 2005 के बाद से 5 जुलाई 2025 को वर्ली में आयोजित एक संयुक्त रैली उनका पहला साझा मंच था। 'आवाज मराठीचा' या 'मराठी की आवाज' रैली का आयोजन प्राथमिक स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव के विरोध में किया गया था।

लेखा रत्तनानी

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं। भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है।

त्रिभाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने के रूप में देखा जाता है। इस फार्मूले का दक्षिणी राज्यों में विरोध हो रहा है। तमिलनाडु में हिंदी का सबसे कड़ा विरोध हो रहा है। वहां इसे राज्य की भाषाई पहचान को कमजोर करने और केंद्र सरकार के सांस्कृतिक प्रभुत्व के प्रयास को आगे बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है। महाराष्ट्र में इसने ठाकरे बन्धुओं को उस जमीन को पुन: प्राप्त करने के लिए एक अवसर प्रदान किया जिसे वे लगातार खो रहे थे। अपनी प्रासंगिकता को पुन: प्राप्त करने के लिए उन्होंने अब मराठी पहचान के एक शक्तिशाली आख्यान को पुनर्जीवित किया है।

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद भी कुछ खास राजनीतिक प्रगति नहीं कर पाई है। 2024 के चुनावों में मनसे 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत पाई जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) केवल 20 सीटें ही जीत सकी। बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती शिवसेना में खतरे, भय और करिश्मे के मिश्रण ने कैडर और समर्थकों दोनों को कंट्रोल में रखा। राज ठाकरे ने हमेशा मसल पॉवर और गरज के साथ पार्टी का नेतृत्व किया। उन्होंने पार्टी की छात्र शाखा भारतीय विद्यार्थी सेना का गठन किया और बाद में 1990 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना उम्मीदवारों के लिए राज्य भर में प्रचार अभियान शुरू किया। उन्हें अपने चाचा के उत्तराधिकारी के रूप में देखा गया। शैली, ढंग और वाणी में वे बाल ठाकरे के करीब थे। जब विरासत की जिम्मेदारी बाल ठाकरे के बेटे और उनके चचेरे भाई उद्धव के पास गई तो वे वहां से हट गए।

भाजपा ने उद्धव के साथ साझा नेतृत्व का वादा किया था लेकिन यह वादा निभाया नहीं। नाराज उद्धव ने भाजपा पर विश्वासघात का आरोप लगाने के बाद 2019 में राज्य पर शासन करने के लिए कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन किया। भाजपा ने शिवसेना को तोड़कर राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना से अलग हुए एक धड़े के नेता एकनाथ शिंदे के साथ गठबंधन किया। इसके बाद वे एनसीपी को विभाजित करने के लिए आगे बढ़े। शरद पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाला एक अलग एनसीपी गुट अब भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति या महागठबंधन का हिस्सा है जो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन है।

चचेरे भाईयों का मुख्य उद्देश्य भाजपा को चुनौती देना और फिर से जमीन हासिल करना है क्योंकि दोनों भाईयों की निकाय चुनावों पर नजर है। इनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण वृहद मुंबई नगर निगम के चुनाव हैं जो एशिया में सबसे अमीर नागरिक निकाय है और कई भारतीय राज्यों से इसका वार्षिक बजट बड़ा है। 2025-26 के लिए इसका बजट 74, 400 करोड़ रुपये से अधिक है। इस समय भाजपा 132 सीटों के साथ राज्य में मुख्य पार्टी है। आगामी निकाय चुनाव दिखाएंगे कि क्या भाजपा अपना यह रुतबा कायम रख सकती है। शिवसेना से अलग हुई पार्टी के प्रमुख एकनाथ शिंदे ठाकरे की राज्य विधानसभा में 52 सीटें हैं। शिंदे ही ठाकरे परिवार के पुनर्मिलन के नए घटनाक्रम के मद्देनजर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले नेता हैं। खुद को बाल ठाकरे के असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश करने वाले शिंदे की शिवसेना सुप्रीमो के बेटे और भतीजे के सामने कोई हैसियत नहीं रह जाएगी।

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं । भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है लेकिन यदि वे ताकत की राजनीति अपनाते हैं तो यह नीति गैर-मराठी मतदाताओं की पर्याप्त संख्या को अलग-थलग कर सकती है। मनसे कैडर ने अतीत में बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रवासियों पर हमले किये हैं एवं उन पर स्थानीय लोगों की नौकरियां छीनने का आरोप लगाया है।

नया गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीतिक कहानी में एक मोड़ जोड़ रहा है लेकिन इस जोड़ी में अस्थिरता तथा मतभेद हैं जो दोनों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव के बारे में संदेह पैदा करते हैं। उद्धव ठाकरे अपनी सौम्य और शांत कार्यशैली के साथ विपक्ष में अपने नए सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाने में अधिक सफल रहे हैं जबकि राज ठाकरे की दहाड़ जारी है और उनके कैडर ने मुंबई में प्रवासियों को अलग-थलग करने का जोखिम उठाया है। मुंबई में काम करने वालों में प्रवासियों का बड़ा हिस्सा है। अनुमान कम-ज्यादा हो सकते हैं लेकिन 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई की आबादी में प्रवासियों की संख्या 43 प्रतिशत से अधिक थी। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या लगभग 41 प्रतिशत थी।

पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी दोनों के टूटने के साथ बहुत सारे राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। परिवर्तनों की तेज रफ्तार तथा बड़ी संख्या ने मतदाता को भ्रमित किया है कि कौन किसके साथ है? क्या ठाकरे गठबंधन इस अस्थिर परिदृश्य में कुछ बदलाव ला सकता है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वे कामकाज की दो अलग-अलग शैलियों में समन्वय बिठा सकते हैं।

कह नहीं सकते कि बाल ठाकरे के वर्षों के जादू को फिर से कायम करने में दोनों चचेरे भाई सक्षम होंगे या उसके कुछ करीब तक पहुंच सकते हैं अथवा नहीं।

(लेखक द बिलियन प्रेस की प्रबंध संपादक हैं।
सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

2 साल से बंद है केदारनाथ बाबा का मंदिर

महाशिवरात्रि से पहले केदारनाथ में दर्शन शुरु करने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

- महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है, जिससे हजारों दुकानदारों की आजीविका चलती है

गुना, देशबन्धु। गुना जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर सिरसी के जंगलों में स्थित केदारनाथ धाम को श्रद्धालुओं के लिए बंद किए जाने के खिलाफ कांवड़ यात्रा एवं धर्म रक्षा समिति ने गुना कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। समिति ने महाशिवरात्रि पर इस प्राचीन शिव मंदिर को फिर से खोलने की मांग की है, चेतावनी दी है कि जल्द ही केदारनाथ धाम को श्रद्धालुओं के लिए नहीं खोला गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

समिति के मुताबिक जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इस धार्मिक स्थल को बंद कर रखा है, उनका तर्क है कि आसपास की चट्टानें गिर सकती हैं। हालांकि, श्रद्धालुओं में इस फैसले को लेकर गहरा रोष है, खासकर इसलिए क्योंकि महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है, जिससे हजारों दुकानदारों की आजीविका चलती है। धर्म रक्षा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रशासन द्वारा केदारनाथ धाम को बंद किए जाने के बाद से अभी तक कोई भी चट्टान नहीं गिरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि वाकई हादसे की आशंका है, तो उस विशेष चट्टान को हटा दिया जाए और श्रद्धालुओं के लिए मंदिर को फिर से खोला जाए। समिति ने जोर दिया कि लाखों लोगों की आस्था का केंद्र यह स्थल बंद नहीं रहना चाहिए। पिछले दो वर्षों से, जिला प्रशासन ने इस मनोरम और धार्मिक स्थल को दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित करते हुए बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया है, जिससे गुना के साथ-साथ शिवपुरी, अशोकनगर और राजस्थान के कई जिलों से आने वाले श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। समिति ने प्रशासन से जल्द से जल्द केदारनाथ धाम को सुरक्षित कर श्रद्धालुओं के लिए खोलने का आग्रह किया है, अन्यथा एक बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी।

कुंड में डूबने से हो रहे हादसे

रोचक तथ्य यह है कि जिला प्रशासन ने केदारनाथ गुफा के चारों तरफ चट्टानों के जर्जर होने का हवाला देकर मुख्य द्वार को बंद कर रखा है। इसके बावजूद कई युवा चोरी-छिपे और प्रशासन के नियमों का उल्लंघन करते हुए केदारनाथ परिसर में पहुंच जाते हैं। इतना ही नहीं युवाओं द्वारा केदारनाथ परिसर में स्थित जलकुंड में भी नहाते देखा गया है। बीते दिनों राघौगढ़ क्षेत्र में रहने वाले एक युवक की जान तक चली गई है। कुल मिलाकर जिस दिक्कत का हवाला देकर जिला प्रशासन ने दर्शन की अनुमति रोक रखी है, हादसे उससे नहीं बल्कि किसी अन्य वजह से हो रहे हैं।

कांवड़ यात्रियों को भी आ रही परेशानी

केदारनाथ धाम मंदिर के पट बंद होने से न केवल आम श्रद्धालु परेशान हैं, बल्कि साल में एक बार निकलने वाली कांवड़ यात्रा में शामिल होने वालों के लिए यह परेशानी का सबब बन गया है। जानकारी के मुताबिक प्रतिवर्ष श्रावण मास में हजारों यात्री कांवड़ यात्रा द्वारा पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। इसी क्रम में 22वीं बार विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन होने जा रहा है। हजारों यात्री इस बार भी 3 अगस्त को श्री केदारनाथ धाम पहुंचेंगे और 4 अगस्त को सुबह 6 बजे विधिवत पूजन के बाद यात्रा महूनाथ की ओर प्रस्थान करेगी। परेशानी यह है कि जिला प्रशासन ने गुफा एवं प्रवेश द्वार पर प्रशासन ने ताला लगा दिया है। इसके चलते हिंदू समाज में असंतोष व्याप्त है। इसी समस्या को जल कराने के लिए शुक्रवार को साधु-संतों के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा आयोजन समिति एवं धर्म रक्षा समितियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया है।

हृदय विदारक घटना

खैजरा रामा गांव में नदी में डूबने से 2 बच्चों की मौत

गुना, देशबन्धु। गुना जिले की कुंभराज तहसील के ग्राम पंचायत खैजरारामा गांव में गुरुवार शाम एक हृदय विदारक घटना में दो नाबालिग बच्चों की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान लल्लू बैरागी पुत्र ईश्वर बैरागी और कबीर मीना पुत्र मनीष मीना के रूप में हुई है, जिससे पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 6 बजे दोनों बच्चे गांव के पास स्थित नदी में नहाने गए थे। बताया जा रहा है कि नहाते समय वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। जब काफी समय तक बच्चे घर नहीं लौटे, तो चिंतित परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। नदी किनारे बच्चों के कपड़े मिलने के बाद ग्रामीणों ने सघन खोजबीन अभियान चलाया। मछली पकडने् वाले जाल की मदद से रात करीब 9: 30 बजे दोनों बच्चों के शव नदी से बाहर निकाले गए। तत्काल एंबुलेंस की सहायता से दोनों को कुंभराज अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

दम्पत्ति ने सास-बहू से की मारपीट, सास के शरीर पर लगे 15 टांके

गुना, देशबन्धु। कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम बमोरी बुजुर्ग में एक दंपति पर अपने पड़ोस में रहने वाली सास-बहू के साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगा है। इस घटना में सास गंभीर रूप से घायल हो गई हैं, जिनके सिर में 15 से 20 टांके लगाने पड़े हैं। उन्हें गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, पीड़ित पक्ष का आरोप है कि अभी तक उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है, जिससे आरोपी पक्ष के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार मारपीट की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित पक्ष के अनुसार विवाद तब शुरू हुआ जब दिनेश की पत्नी वंदना बघेल के बच्चे पड़ोसी रामनारायण धाकड़ और उनकी पत्नी कमला बाई के घर के पास खेल रहे थे। इस बात पर आरोपी दंपति आग बबूला हो गए और उन्होंने बच्चों पर पत्थर से हमला कर दिया। जब वंदना बाई और उनकी सास 45 वर्षीय गुड्डी बाई बघेल ने इसका विरोध किया, तो रामनारायण धाकड़ और कमला बाई ने उन पर लाठी से हमला कर दिया। इस हमले में गुड्डी बाई बघेल के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके लिए उन्हें 15 से 20 टांके लगाने पड़े। वहीं, उनकी बहू वंदना का हाथ का पंजा फ्रैक्चर बताया जा रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जब वे शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे, तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय उन्हें पहले उपचार कराने की हिदायत देकर वापस भेज दिया।

आवारा पशुओं का आतंक जारी

सांड के हमले से महिला गंभीर घायल, पहले भी हो चुकी है मौत

गुना, देशबन्धु। जिले में आवारा मवेशियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में एक चौंकाने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें एक आवारा सांड एक बुजुर्ग महिला को अपनी सींगों से उठाकर पटकते हुए दिखाई दे रहा है। इस हमले में महिला बुरी तरह घायल हो गई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। यह घटना गुना शहर के बूढ़े बालाजी इलाके की है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो सांड एक घर के बाहर खड़े हैं। एक महिला सिर पर पानी का बर्तन रखकर अपने घर में प्रवेश करने वाली होती हैं, तभी एक सांड अचानक उन पर हमला कर देता है और उन्हें उठाकर जमीन पर पटक देता है। महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो जाती हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह कोई पहली घटना नहीं है। करीब 15 दिन पहले भी तलैया मोहल्ला, छिंगा चौराहा निवासी एक बुजुर्ग की सांड के हमले से मौत हो चुकी है। इन लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद, शहर में आवारा सांडों का आतंक जारी है और प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं जा रहा है, जिससे नागरिकों में भारी रोष है। दरअसल, बारिश का मौसम शुरू होने के बाद से सड़कों पर मवेशियों की संख्या में और भी बढ़ोतरी हुई है। नेशनल हाईवे पर भी मवेशी झुंड में बैठे रहते हैं, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। शहर की मुख्य सड़कों से लेकर गलियों और मोहल्लों तक में आवारा सांड बड़ी संख्या में घूमते रहते हैं। इन सांडों के हमलों से कई लोग घायल हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि हड्डियों के इलाज के लिए प्रसिद्ध शहर के एक निजी अस्पताल में आवारा सांडों के हमले से घायल हुए मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने और आवारा मवेशियों को पकडने् के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है ताकि शहरवासी सुरक्षित रह सकें।

ग्रामीणों ने गौशाला की मांग को लेकर किया चक्काजाम

अज्ञात वाहनों ने सड़क बैठे मवेशियों को कुचला, 6 गायों की मौत

गुना, देशबन्धु। मधुसूदनगढ़ के ग्राम बारोद में बीती रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां एक अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठी 6 से 7 मवेशियों को कुचल दिया। इस घटना में 6 गायों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना से आक्रोशित हजारों ग्रामीणों ने आज सुबह सड़क पर उतर कर चक्का जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा, लेकिन ग्रामीण गौशाला निर्माण की अपनी पुरानी मांग को लेकर अड़े हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मधुसूदनगढ़ में हजारों की संख्या में आवारा मवेशी सड़कों पर घूमते रहते हैं, जिससे आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं। स्थानीय नगर परिषद द्वारा इन मवेशियों के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं की जा रही है।

बारोद के ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दस वर्षों से वे प्रशासन से गौशाला निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया है और ग्रामीणों में भारी गुस्सा है। ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि प्रशासन जल्द से जल्द मधुसूदनगढ़ में गौशाला का निर्माण करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

पुलिस ने एक और सटोरिया दबोचा, 4 हजार रुपए बरामद

गुना, देशबन्धु। कैंट थाना पुलिस ने एक और सटोरिया को गिरफ्तार कर उसके पास से 4250 रुपए नकद सहित सट्टे से संबंधित सामग्री जब्त की है। पुलिस के मुताबिक 10 जुलाई को कैंट थाना पुलिस को गोपालपुरा रोड स्थित दशहरा मैदान में एक व्यक्ति द्वारा सट्टा पर्चियां काटे जाने की गुप्त सूचना मिली। बताया गया कि वह लोगों को एक रुपये के बदले नब्बे रुपए देने का प्रलोभन दे रहा था। सूचना मिलते ही, कैंट थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर दबिश दी और सट्टा पर्ची काट रहे आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नारायण पुत्र मातादीन चौरसिया (उम्र 45 साल) निवासी नानाखेड़ी, थाना कैंट, गुना बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से सट्टे के 4,250 रुपए नकद और अन्य सट्टा सामग्री जब्त कर ली। आरोपी के खिलाफ कैंट थाने में अपराध क्रमांक 725/25 धारा 4(क) सट्टा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। सट्टे के खिलाफ कैंट थाना पुलिस की इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, उपनिरीक्षक चंचल तिवारी, आरक्षक धीरेन्द्र गुर्जर, आरक्षक नवदीप अग्रवाल, आरक्षक संजय जाट और आरक्षक राजीव सेन की सराहनीय भूमिका रही। गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के नेतृत्व में, गुना पुलिस द्वारा जुआ, सट्टा, अवैध शराब जैसी विभिन्न अवैध और अनैतिक गतिविधियों में शामिल लोगों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ।

निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित

अशोक नगर, देशबन्धु।। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जैन,संबंधित निर्माण कार्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यो को निर्धारित समय सीमा में कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही निर्माण कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभागवार निर्माण कार्यो की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि ब्रिज कार्पोरेशन द्वारा बनाये जा रहे ब्रिज के कार्यो में प्रगति लाई जाए।जाए। एमपीआरडीसी द्वारा सड़कों का मरम्मतीकरण का कार्य तथा नाली एवं पुल पुलियों का कार्य कराया जाए जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पानी की पाईप लाईन डालने हेतु खुदाई की गई है,उन जगहों को पाईप लाईन डालने के पश्चात दुरूस्त कराया जाए।

अभद्रता और धमकी से नाराज पत्रकारों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

सिमरिया पंचायत सचिव व सरपंच पुत्र की दबंगाई और मनमानी का किया विरोध

आरटीआई के तहत जानकारी मांगने से थे नाराज

शिवपुरी, देशबन्धु। नरवर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सिमरिया में आरटीआई (सूचना का अधिकार अधिनियम) के तहत जानकारी मांगने पर पत्रकार नरवर क्षेत्र के पत्रकार साथी कमर खान निवासी वार्ड क्रमांक 11 मोमिनपुरा, नरवर के साथ नरवर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिमरिया के सचिव निर्भय रावत, महिला सरपंच के पुत्र शैलेन्द्र रावत के द्वारा की गई अभद्रता और जान से मारने की धमकी, मोबाईल छीनने जैसी घटना को लेकर समस्त पत्रकारों में रोष व्याप्त रहा। घटना के विरोध में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ शिवपुरी जिला इकाई के तत्वाधान में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर रविन्द्र चौधरी व पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एएसपी संजीव मुले को सौंपा गया। पत्रकार कमर खान को सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ शिवपुरी जिला इकाई के अध्यक्ष रशीद खान के नेतृत्व में संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष राजू यादव (ग्वाल), कार्यकारी अध्यक्ष राम यादव, कोषाध्यक्ष मणिकांत शर्मा, देवू समाधिया, फरमान अली, रिंकू तोमर, राहुल शर्मा, बबीता परमार, अरशद अली,

संजय ढींगरा, शाकिर अली मामू, विपिन सचदेवा, चांद खान, सुहेल खान, अन्नू श्रीधर, दीपक अरोरा, विकास दंडोतिया, भूपेंद्र यादव, अंकित शाक्य, शैलेंद्र, धर्मेंद्र जाटव, अशफाक आफत, कमर खान, शेखर यादव, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, कपिल मिश्रा, माखन सिंह धाकड़, नासिर खान, मणिका शर्मा, मोनिका तोमर, पूनम पुरोहित, शालू गोस्वामी, भानुप्रताप यादव, यशपाल खन्ना, राजाबाबू बाथम, कृपाल सोलंकी, निषांत प्रजापति, मोहन कुशवाह, दीपक कुशवाह, गजेन्द्र कुशवाह आदि सहित बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल थे। ज्ञापन में बताया गया कि नरवर क्षेत्र में पत्रकार कमर खान, इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनल से जुड़े हैं और उनके द्वारा ग्राम पंचायत सिमरिया के नाली निर्माण कार्य में संभावित भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई के तहत 4 दिसंबर 2024 को जानकारी मांगी थी। कई बार की अपीलों और निर्देशों के बाद भी पंचायत सचिव निर्भय रावत ने जानकारी नहीं दी। 8 जुलाई को पत्रकार को जानकारी देने का आश्वासन देकर बुलाया गया, तो रास्ते में ही उन्हें कथित रूप से रोका गया। श्री खान ने बताया कि सचिव निर्भय रावत और महिला सरपंच ऊषा रावत के पुत्र शैलेंद्र रावत ने अन्य साथियों के साथ मिलकर नहर की पुलिया के पास उन्हें घेर लिया, मोटरसाइकिल की चाबी और मोबाइल छीन लिए और उनके साथ जातिगत गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर जबरन एक आवेदन पर हस्ताक्षर कराए गए। जिसमें लिखा गया कि उन्होंने सभी जानकारी प्राप्त कर ली है और अब कोई शिकायत नहीं है।

बजरंगगढ़ पुलिस ने आपसी समझौते से सुलझाया 6 साल पुराना विवाद

गुना, देशबन्धु। जले के बजरंगगढ थाना अंतर्गत ग्राम नौहर निवासी सनमान सिंह पुत्र माधौ सिंह धाकड एवं इमरत लाल यादव के बीच ग्राम नौहर एवं सरखोह की सीमा पर स्थित 1.231 हेक्टेयर भूमि को लेकर दोनों ही पक्षों के बीच करीबन 06 साल से विवाद चल रहा था। विगत जनसुनवाई में आवेदक सनमान सिंह धाकड द्वारा इस आशय का एक आवेदन पत्र पुलिस अधीक्षक गुना श्री अंकित सोनी को दिया गया था । भूमि विवाद संबंधी उक्त आवेदन को पुलिस अधीक्षक श्री सोनी द्वारा गंभीरता से लेकर प्रकरण के निराकरण एवं वैद्यानिक कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं सीएसपी गुना प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण बजरंगगढ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कृपाल सिंह परिहार द्वारा दोनों ही पक्षों से अलग-अलग चर्चा कर विवाद संबंधी जानकारी ली गई और विवाद के निपटारे हेतु दोनों पक्षों से मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा गया। मध्यस्थता के लिए आज 11 जुलाई 2025 को दोनों ही पक्षों को बजरंगगढ थाने पर बुलाकर राजस्व निरीक्षक शत्रुघ्न सिंह रघुवंशी की उपस्थिति में उनसे चर्चा उपरांत दोनों पक्षों की आपसी सहमति से उनके बीच चल आ रहे 06 वर्ष पुराने भूमि विवाद को सुलझा दिया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने बीच इस शर्त पर राजीनामा किया कि इस खरीफ सीजन में दोनों पक्ष आधी-आधी जमीन पर फसल करेंगे एवं इसके बाद ग्राम नौहर और सरखोह की सीमा का सीमांकन करने उपरांत जो जमीन नौहर की सीमा में आएगी उस जमीन पर सनमान सिंह धाकड का कब्जा एवं जो जमीन सरखोह की सीमा में आएगी उस जमीन पर इमरत लाल यादव का कब्जा रहेगा । इस शर्त पर दोनों ही पक्ष सहमत हुए और गांवों की सीमा निर्धारण के बाद जो भी पक्ष शर्त का उल्लंघन करेगा उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही प्रस्तावित किए जाने हेतु सहमति दी गई। इस प्रकार बजरंगगढ थाना प्रभारी के द्वारा की गई कार्यवाही से दो पक्षों के बीच 06 वर्ष से चले आ रहे भूमि विवाद को कुछ ही दिनों में सुलझा दिया गया है। इस कार्यवाही में बजरंगगढ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कृपाल सिंह परिहार एवं बीट प्रभारी प्रधान आरक्षक दिलीप कलावत की सराहनीय भूमिका रही है।

विवाद के निपटारे हेतु दोनों पक्षों से मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा गया

निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं सीएसपी गुना प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण बजरंगगढ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कृपाल सिंह परिहार द्वारा दोनों ही पक्षों से अलग-अलग चर्चा कर विवाद संबंधी जानकारी ली गई और विवाद के निपटारे हेतु दोनों पक्षों से मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा गया। मध्यस्थता के लिए आज 11 जुलाई 2025 को दोनों ही पक्षों को बजरंगगढ थाने पर बुलाकर राजस्व निरीक्षक शत्रुघ्न सिंह रघुवंशी की उपस्थिति में उनसे चर्चा उपरांत दोनों पक्षों की आपसी सहमति से उनके बीच चल आ रहे 06 वर्ष पुराने भूमि विवाद को सुलझा दिया गया

SBI भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, सागर

भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं के लिए परिसर किराए पर लेने हेतु निविदा

भारतीय स्टेट बैंक की स्टेशन रोड अशोकनगर शाखा को स्थान्तरित किया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए भूतल पर परिसर / निर्मित भवन (व्यवसायिक उपयोग करने की स्वीकृति सहित) मासिक किराए पर लेने हेतु निविदाए आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	शाखा का नाम	क्षेत्र जहाँ परिसर की आवश्यकता है	अनुमानित कार्पेट क्षेत्रफल
1	स्टेशन रोड अशोकनगर	वर्तमान शाखा से अधिकतम 0 .50 km की दूरी तक	4000-5000 वर्गफीट

1. प्रस्तावित परिसर में स्ट्रॉंग रूम / करेंसी चेस्ट, लॉकर रूम (वर्गफीट), यूपीएस रूम, किचेन, वाशरूम (महिला एवं पुरुष), रिकार्ड रूम, स्टेशनरी रूम टाइल्स, पेंटिंग आदि बैंक की आवश्यकतानुसार भवन स्वामी को अपने खर्च पर बनवाकर देना होंगा। किराए का आधार भवन का कार्पेट एरिया रहेगा।

2. शाखा परिसर भू-तल में स्थित तथा अग्रभाग लगभग 40-50 वर्गफीट चौड़ा, 60 किलोवाट का विद्युत कनैक्शन, जनरेटर रखने हेतु स्थान एवं पार्किंग हेतु उचित व्यवस्था उपलब्ध होनी चाहिए।

भू-संपत्ति स्वत्वाधिकार वाले इच्छुक व्यक्ति, अधिक जानकारी और बोली प्रपत्र/दस्तावेजों) तकनीकी एवं मूल्य बोली (को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट www.sbi.co.in पर "procurement news" से डाउनलोड कर उन्हे दो अलग-अलग लिफाफे में रखकर, दोनों लिफाफों को सील कर एक बड़े लिफाफे में रखकर दिनांक **04.08.2025,** दोपहर 03.00 बजे तक भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, अशोक विहार कॉलोनी, बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, तिली रोड, सागर में जमा कर सकते है। प्रस्ताव के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से संबंधित परिसर हेतु प्रस्ताव एवं जमा करने वाले का नाम, पता, मोबाइल क्रमांक लिखा होना चाहिए। बैंक को सभी या किसी भी प्रस्ताव को बिना कोई कारण बताए निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक - क्षेत्र- 6, क्षे.व्य. कार्यालय सागर

सार-समाचार

जनपद पंचायतों में लगेंगे शिविर

रायसेन, देशबन्धु। जिले में सिक्यूरिटी स्किल काउंसिल इंडिया लिमिटेड द्वारा जनपद पंचायत स्तर पर जिला पंचायत और मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए भर्ती शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में संस्था एसएससीआई नीमच द्वारा युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराते हुए सुरक्षा गार्ड और सुपरवाईजर पद पर युवाओं का चयन किया जाएगा। जिले की जनपद पंचायत बेगमगंज में 22 जुलाई को, जनपद पंचायत गैरतगंज में 23 जुलाई को, जनपद पंचायत सिलवानी में 24 जुलाई को, जनपद पंचायत उदयपुरा में 25 जुलाई को, जनपद पंचायत बाड़ी में 28 जुलाई को, जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज में 29 जुलाई को, जनपद पंचायत सांची में 30 जुलाई को भर्ती शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जनपद पंचायतों में यह भर्ती शिविर जनपद पंचायत प्रांगण में आयोजित किए जाएंगे। इनके अतिरिक्त 31 जुलाई को रायसेन में जिला रोजगार कार्यालय में भर्ती शिविर आयोजित किया जाएगा। इन सुरक्षा गार्ड एवं सुपरवाईजर भर्ती शिविरों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 21 से 40 वर्ष की आयु के न्यूनतम 10वीं पास बेरोजगार युवा शामिल हो सकते हैं। आवेदक की ऊंचाई 168 सेमी, वजन 55 किलोग्राम व शैक्षणिक योग्ता न्यूनतम हाईस्कूल उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण होना चाहिए। चयनित होने पर संस्था द्वारा निर्धारित पंजीयन शुल्क 350 रू एवं चयनित युवक का प्रशिक्षण व्यय 10500 रू का भुगतान युवक को प्रशिक्षण केन्द्र नीमच में स्वयं करना होगा।

बिना परमिट चल रहे 11 वाहनों से 60 हजार का राजस्व वसूला

देवास, देशबन्धु। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह निर्देशानुसार परिवहन विभाग द्वारा जिले में बिना परमिट, बिना पीयूसी चल रहे वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने जांच दल के साथ देवास शहर एवं अन्य मार्गों पर जांच अभियान चलाया। जांच अभियान बिना पीयूसी (प्रदूषण कार्ड) के चल रहे 10 वाहन मिले, जिन पर मोटर अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए 50 हजार की चालानी कार्यवाही की गई। जांच के दौरान एक यात्री बस बिना परमिट पर सवारी ले जाते पाई गई, जिस पर परमिट शर्तों के उल्लंघन पर 10 हजार रुपए की चालानी की गई।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि जांच दल द्वारा लगातार स्कूल वाहनों एवं अन्य वाहनों की जांचकर चालानी कार्यवाही की जा रही है। बिना परमिट, पीयूसी, फिटनेस, ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है एवं जिन वाहनों के दस्तावेज पूर्ण नहीं पाए जा रहे है, उन्हें जप्त कर दस्तावेज ठीक करवाए जा रहे हैं। जांच दल में अभिजीत गहलोत, सिपाही सरफराज खान, बाबूलाल देवड़ा, भगत सिंह, शाकिर खान, नीलेश साल्वे अन्य संबंधित शामिल थे।

डॉ. राय परिवार ने सिंधी समाज को मर्चुरी फ्रीजर किया दान

दमोह देशबन्धु। नेत्र रोग विशेषज्ञ व सर्जन डॉ.राकेश राय, डॉ. सुधा राय एवं मुकेश राय परिवार ने सिंधी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शव को अंतिम संस्कार के पूर्व सुरक्षित रखने के लिए एक मर्चुरी फ्रीजर अपने पिता स्व. रज्जू राय एवं माता स्व. मालती राय की स्मृति में सिंधी समाज को दान किया। इस मौके पर आशा राय, प्रीतम चौकसे, निशा राय, डॉ. प्रहलाद पटेल, डॉ. संजीव सिंघई, डॉ. डीएम संगतानी, प्रेम शंकर राय, अनिल कोटवानी, हरीश राय तथा शहर के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही।

पशुओं को खुला छोड़ने के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा, कलेक्टर का आदेश भी बेअसर

सिलवानी, देशबन्धु। बारिश के इन दिनों में सड़क पर बेसहारा मवेशियों की धमाचौकड़ी लोगों को परेशानी में डाल रही है। दिन हो चाहे रात सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा होने से लोग ठीक से आवागमन नहीं कर पा रहे हैं, जिसके कारण दुर्घटनाओं का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। सड़क पर मवेशी जहां लोगों को मुसीबत पैदा कर रहे हैं तो वहीं फुटपाथ खाली नहीं हैं, यहां पर वाहनों का जमावड़ा रहता है जिससे समस्या दोनों ओर से बन रही है। जहां सड़क पर दुर्घटनाओं का शिकार होकर लोग घायल हो रहे हैं तो वहीं वाहनों की टक्कर से भी मवेशी भी चोटिल रहे हैं। सिलवानी से बरेली की तरफ और सिलवानी से उदयपुरा की तरफ मुख्य सड़कों पर पड़ने वाले प्रत्येक गांवों में मवेशियों के जमावड़ा रहता है। यहीं समस्या भोपाल से सागर मार्ग पर है। पशु मालिक अपने ही मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं।

बरसात के मौसम में मवेशी सड़कों पर आकर बैठते हैं। दिन के अलावा रात के समय पर भी मवेशियों के जमावड़ा सड़कों पर रहता है। इस कारण वाहन चालकों और मवेशियों

दोनों को परेशानी होती है। बैठक में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने भले ही मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने और मवेशियों को खुला छोड़ने वाले पशु मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश जारी किए थे, लेकिन सड़कों पर मवेशियों का अब भी जमाबड़ा लगा रहता है, जिसको लेकर कलेक्टर ने नराजगी जाहिर की है। साथ ही तहसील के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए है, लेकिन तहसील स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी बेखबर हैं। राहगीरों में हादसे की आशंका बनी हुई है। शहर के चौराहों पर आवारा मवेशियों का कब्जा है। वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं लेकिन प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। जानकारी के अनुसार कलेक्टर के आदेश का पालन यहां नहीं किया जा रहा है। नगर में इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है जिससे मवेशी मालिकों की मनमानी चल रही है।

लोग मवेशियों को सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं जिससे मवेशी सड़क पर डेरा जमाए हैं और वाहन चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। नगर के बजरंग चौराहा बरेली रोड सहित विभिन्न स्थानों पर आवारा मवेशी सड़कों पर बैठे रहते हैं और लोग परेशान हैं।

आमापानी कॉलोनी में हितग्राहियों को कराया गृह प्रवेश

सिलवानी, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में तथा सिलवानी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रामपाल सिंह के मार्गदर्शन एवं नगर परिषद अध्यक्ष रेशु विभोर नायक के प्रयासों से नगर परिषद सिलवानी के वार्ड क्रमांक 1 स्थित आमापानी कॉलोनी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को आज विधिवत गृह प्रवेश कराया गया।

इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद प्रदीप कुशवाहा, 1 के पार्षद प्रतिनिधि बाबू ठाकुर, पार्षद लखन मेहरा सहित नगर परिषद के सदस्य धर्मेंद्र गुप्ता, चन्दु भाई, मुकेश नामदेव, भगवानदास विश्वकर्मा, रामनरेश यादव आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्राप्त आवासों के लिए शासन का आभार व्यक्त किया एवं इसे जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सभी लाभार्थियों को बधाई दी और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

जनसंख्या दिवस पर सारथी रथ को दिखाई हरी झंडी

सिलवानी, देशबन्धु। विश्व जनसंख्या दिवस पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस पटेल ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की। उन्होंने सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर ब्लॉक के विभिन्न गांवों की ओर रवाना किया। इस रथ के माध्यम से परिवार नियोजन के साधनों और महत्व की जानकारी दी जाएगी। डॉ. पटेल ने बताया कि शासन के निर्देश पर हर साल 11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या दिवस अभियान चलाया जाता है। इस दौरान गांवों और स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम होंगे। इस वर्ष अभियान का नारा है मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन से तैयारी हो सही।बीईई विक्रम खत्री ने बताया कि यह अभियान दो चरणों में चलता है। पहला चरण 27 जून से 10 जुलाई तक लक्ष्य दंपति संपर्क पखवाड़ा रहा। इसमें मैदानी अमले ने इच्छुक दंपतियों की संभावित सूची तैयार की। दूसरा चरण 11 जुलाई से 11 अगस्त तक सेवा प्रदायगी माह के रूप में चलेगा। इसमें चिन्हित पात्र दंपतियों को उनकी इच्छा अनुसार परिवार नियोजन की सेवाएं दी जाएंगी।

डॉ. पटेल ने अभियान के सफल संचालन के लिए सभी मैदानी अमले को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

इस मौके पर बीपीएम जयदीप साहू, मोहम्मद अनीस, हेमंत सराठे, ब्रजमोहन गुर्जर, शैलेंद्र शर्मा, सीपी पांडे, श्रीराम आचार्य, पुष्पेंद्र रघुवंशी, राजेश मारू, रामजी और शहरी क्षेत्र की आशा पर्यवेक्षक व आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्टर ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्राम पंचायतों में संचालित निर्माण और विकास कार्यों, शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराएं। साथ ही शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर ग्रामीणों तक सुगमता से योजनाओं का लाभ पहुचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण,

मनरेगा, अमृत सरोवर, आयुष्मान भारत, स्वरोजगार योजनाओं का क्रियान्वयन, स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित की जा रहीं आजीविका गतिविधियों तथा बैंक लिंकेज, विभिन्न योजनाओं तथा निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा भी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संबंधित विभागों के जिला अधिकारी, जनपद सीईओ, उपयंत्री सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

120 फीट लंबे ट्रेलर ने बीना के दो चौराहे किये जाम

बीना, देशबन्धु। 120 फीट लंबा ट्रेलर शहर में घुसने के कारण शुक्रवार दोपहर सर्वोदय चौराहे और गांधी तिराहे पर एक-एक घंटे तक जाम लगा रहा। सागर से गुना जा रहा यह ट्रेलर गलत मार्ग पर आ गया था। खुरई रोड ओवरब्रिज होते हुये यह सर्वोदय चौराहे पहुंच गया। सर्वोदय चौराहे पर अधिक कर्व और कम जगह के कारण ट्रेलर को मोड़ने में काफी समय लगा। चालक को आधे घंटे तक ट्रेलर को आगे पीछे करना पड़ा। इसके बाद ही उसे स्टेशन रोड की तरफ मोड़ा जा सका। ट्रेलर जब गांधी तिराहे पहुंचा तो चालक राजवीर सिंह को फिर से इसे मोड़ने में मशक्कत करनी पड़ी। राजस्थान नंबर का यह ट्रेलर आरजे 96 जीडी 0154 खाली था। इसमें 50 से ज्यादा पहिये लगे थे। इस दौरान शहर के मुख्य मार्गों पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे कई बार शहर में भारी वाहनों की एंट्री रोकने की मांग कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति की बैठक आयोजित

ऋण वितरण योजनाओं की समीक्षा कर लक्ष्य हासिल करें

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले के किसान 31 जुलाई तक कराएं

देवास, 11 जुलाई 2025/ कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में किया गया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक श्री प्रकाश केवलरमानी, हितग्राही मूलक योजना वाले विभाग, उद्योग विभाग, कृषि, मत्स्य पालन, सहकारिता, उद्यानिकी, एनआरएलएम, आरसेटी सहित अन्य संबंधित विभागों के प्रमुख एवं विभिन्न बैंकों के समन्वयक उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा

रही ऋण वितरण योजनाओं की समीक्षा कर वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि कामधेनु योजना का संचालन किया जा रहा है, जो बहुत अच्छी योजना है। बैंक प्रियोरिटी में रखकर कार्य करें। सरकार की पीएमएफएमई योजना का लाभ दे। पीएमएफएमई और पीएमईजीपी दोनों का लाभ दे।

बैंक ज्यादा से ज्यादा ऋण स्वीकृत कर हितग्राहियों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दें। कृषि से संबंधित यंत्रों के लिए ऋण स्वीकार करें, नरवाई प्रबंधन के लिए उपयोग आने वाले यंत्र हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, रोटावेटर के लिए ऋण दें। सभी सभी के बैंक अकाउंट खोले गए है। जिसमें लिए आधार बेस्ड पेमेंट हो रहा है। आधार बेस्ड स्कीम हेतु बैंक खाते से आधार और पेन कार्ड को लिंक करने के लिए शिविर लगाये। एलडीएम को निर्देश दिए कि जीवन ज्योति बीमा योजना, जीवन सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के क्लेम के लिए जिले में पॉलिसी बनाये। बैंक किसी का बीमा करते हैं तो उसकी पर्ची सील लगाकर दें, जिससे घर वालों को भी पता रहे की बीमा है। एलडीएम नवाचार करें जिससे परिणाम दिखें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्व सहायता समूह को ऋण स्वीकार करें। कलेक्टर श्री सिंह ने स्व रोजगार योजनाओं में स्वीकृत प्रकरणों और लम्बित प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि सभी विभाग हितग्राही मूलक योजनाओं में ऋण स्वीकृत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में पूर्व में आयोजित जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में दिये गये निर्देशों की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने बैंकों को हितग्राही मूलक योजनाओं में ऋण स्वीकृत करने के निर्देश दिये।

प्रथम पेज का शेष

30 हजार करोड़ से अधिक.... से जल प्रदाय, सीवरेज, स्वच्छता और अधोसंरचना निर्माण के लिये 5 हजार 454 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत 65 हजार से अधिक हितग्राहियों को 2 हजार 799 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान भी वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा, ग्रीन फील्ड हाईवे, टाउनशिप और स्मार्ट सिटी परियोजना को बढ़ावा दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेक्स्ट होराइजन : बिल्डिंग सिटीज ऑफ टुमारो कॉन्क्लेव से मध्यप्रदेश के शहरों को नई उड़ान मिलेगी। उन्होंने कहा कि सुलभ, स्विफ्ट और सुरक्षित परिवहन, किसी भी आधुनिक शहर की रीढ़ होते हैं। भविष्य की ट्रांसपोर्टेशन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भोपाल और इंदौर मेट्रो परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब विकसित किए जा रहे हैं। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर शहरों में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 582 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में आगामी 25 वर्षों की जरूरतों और इन्फास्ट्रक्चर को ध्यान में रखकर मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मिक्स्ड लैंड यूज और ईटीसी मॉडल को अपनाते हुए प्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के दिशा में ठोस प्रयास किये जा रहे है। इंदौर शहर में देश में अपने कामों की वजह से विशिष्ट पहचान बनाई है। इंदौर स्वच्छता के मामले में पिछले 7 वर्षों से पहले स्थान पर है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा कहते है कि शहर विकास तो करें लेकिन आर्थिक ग्रोथ सेंटर भी बनाये। उनकी सोच को लेकर मध्यप्रदेश आगे बढ रहा है। उज्जैन में श्री महाकाल लोक बन जाने के बाद वहां की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई है। कॉन्क्लेव का एक प्रमुख आकर्षण अर्बन डेवेलपमेंट एक्सपो रहा, जिसमें शहरी आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। कॉन्क्लेव स्थल पर एमपी मेट्रो, इंदौर विकास प्राधिकरण और इंदौर नगर निगम प्रमुख प्रदर्शकों में शामिल रहे, जिसमें राज्य की एकीकृत और सतत गतिशीलता की दिशा में हुई प्रगति को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित विधायकगण, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, सुश्री उषा ठाकुर, महेन्द्र हार्डिया, मधु वर्मा तथा गोलू शुक्ला एवं रियल इस्टेट, होटल पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े निवेशकों और अन्य जनप्रतिनिधि भी विशेष रूप से मौजूद थे। अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय दुबे ने मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में आज हुई गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज हुए विचार विमर्श से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ेगी।

नोटों से भरे बैग के साथ.... शिरसाट को नोटिस दिए जाने के एक दिन बाद सामने आया है। इस मामले में शिरसाट की प्रतिक्रिया भी सामने आई है, उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने शिकायत की थी और आयकर विभाग ने इस पर संज्ञान लिया है। हमने नोटिस का जवाब देने के लिए समय मांगा है। हम अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। मंत्री शिरसाट ने कहा, कानून अपना काम कर रहा है और मुझे इससे कोई समस्या नहीं है, मैं किसी दबाव में नहीं हूं।

सीमेंट यूनियन इमलाई मायसेम सीमेंट माइंस कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

दमोह देशबन्धु। संघ के विस्तार हेतु सीमेंट यूनियन महासंघ इमलाई एवं नरसिंहगढ़ में अजय विश्वकर्मा (प्रभारी सीमेंट) प्रदेश मंत्री भारतीय मजदूर संघ भोपाल, संजय तिवारी प्रदेश अध्यक्ष सीमेंट यूनियन महासंघ, धर्मेंद्र चौबे विभाग प्रमुख सागर विभाग अंग वस्त्र के साथ सम्मान एवं देवेंद्र चौबे जिला मंत्री ने श्रमिक गीत के साथ बैठक का शुभारंभ प्रदेश मंत्री अजय विश्वकर्मा के द्वारा किया गया, उन्होंने अपने उद्बोधन कहा भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति एवं संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता संबद्धता लेखा रिकॉर्ड विषय पर विस्तृत रूप से सीमेंट यूनियन इकाइयों के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यों को विशेष रूप से बताया, भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख धर्मेंद्र चौबे ने 23 जुलाई को होने वाले स्थापना दिवस के विशेष आयोजन के संबंध में चर्चा की, बैठक का संचालन भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री देवेंद्र चौबे ने की बैठक का आभार एवं समापन सीमेंट यूनियन के महामंत्री दारा सिंह ने की। बैठक में प्रमुख रूप से सीमेंट यूनियन के अध्यक्ष राजा सिंह, महामंत्री प्रेम सिंह, कोषाध्यक्ष पप्पू सिंह, मुकेश शर्मा अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई।

धान की फसल में जुटे किसान, खेतों में फिर लौटी रौनक

सांची,देशबन्धु। बरसात के आगमन के साथ ही किसानों की व्यस्तता भी शुरू हो गई है। खेतों में पानी पहुंचते ही किसान अपनी धान की फसल की तैयारियों में जी-जान से जुट गए हैं। कोई स्वयं और अपने परिवार के साथ खेतों में मेहनत कर रहा है, तो कोई मजदूरों की सहायता लेकर खेती कार्य को अंजाम दे रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बारिश के पहले झोंकों के साथ ही किसानों ने खेतों में गड्ढे बना कर पानी भरना शुरू कर दिया है। जहां वर्षा का जल पर्याप्त नहीं पहुंचा, वहां किसान ट्यूबवेल का सहारा ले रहे हैं। धान की फसल को सबसे मेहनत वाली खेती मानी जाती है, जिसमें दिन-रात की मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होती है। किसान रात-दिन खेतों में डटे रहते हैं, वहीं मजदूरों की कमी के चलते कई किसान दूर-दराज से श्रमिक बुलवाकर काम करा रहे हैं। सांची सहित क्षेत्र के कई गांवों में इन दिनों खेतों में ट्रैक्टरों की गड़गड़ाहट गूंज रही है। पहले ट्रैक्टर से खेत जोते जाते हैं, फिर पानी भरकर मचाई की जाती है। इसके बाद धान के

पौधों की रोपाई का सिलसिला शुरू होता है, जो अधिकांश किसान स्वयं या मजदूरों की मदद से संपन्न करते हैं।

धान की इस तैयारी के दौर में गांव की चहलपहल खेतों तक सिमट जाती है, जबकि बाजारों में सन्नाटा छा जाता है। कई गांवों में तो दिन भर बाजार सूने नजर आते हैं क्योंकि अधिकांश ग्रामीण खेतों में व्यस्त रहते हैं। बारिश के साथ ही किसानों के चेहरों पर रौनक लौट आई है, लेकिन यह मुस्कान मेहनत और तपस्या से भरी होती है। किसान न दिन देखते हैं, न रात; न कीचड़ की परवाह करते हैं, न भूख-प्यास की। बस एक ही लक्ष्य—अच्छी फसल की उम्मीद के साथ खेत में जुटे रहना।

कमलकिशोर पटेल, किसान, ने बताया, 'धान की खेती में बहुत मेहनत लगती है, लेकिन यह हमारे जीवन का आधार है। जैसे ही पानी आया, हम लोग तुरंत खेतों में उतर गए। इस बार अच्छी फसल की उम्मीद है।'

वहीं जवाहर सिंह चौहान ने कहा, मजदूरों की भारी कमी है, हमें दूर-दराज से मजदूर बुलाने पड़ते हैं। खुद भी दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन अगर बारिश ठीक रही तो मेहनत जरूर रंग लाएगी।

सार समाचार

अधिवक्ता परिषद ने गुरू पूर्णिमा पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं से लिया आशीर्वाद

आष्टा, देशबन्धु। अधिवक्ता परिषद तहसील ईकाई ने गुरु पूर्णिमा के पर्व पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं का स्वागत कर मनाया। तहसील ईकाई के अध्यक्ष रामेश्वर धनगर उपाध्यक्ष जीवन सिंह खजुरिया ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं जो की हमारे कार्य क्षेत्र में हमारे गुरु है वरिष्ठ अधिवक्ता नगीन चंद जैन, रुप सिंह ठाकुर, सौभाग्य सिंह ठाकुर, कान्ति लाल जोशी, नरेन्द्र शर्मा, विजेन्द्र सिंह ठाकुर का माला पहनाकर श्रीफल भेंटकर कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर निलेश कुमार शर्मा, जितेन्द्र दुबे, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष कृपाल सिंह ठाकुर, सचिव कुलदीप शर्मा ,सीताराम परमार, बाबू लाल परमार, योगेन्द्र सिंह ठाकुर, भुपेश जामलिया, दिनेश सोनी,अक्षत पाठक, आशीष जौशी,जीवन नागलिया सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद थे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर गुरु पूर्णिमा धूम धाम से मनाया

सीहोर, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में भारतीय ज्ञान परम्परा अन्तर्गत गुरू पूर्णिमा उत्सव संपन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, के मुख्य आथित्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन किया गया एवं छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई, इसके उपरांत मुख्य अतिथि का स्वागत तुलसी के पौधे, शॉल एवं श्रीफल के द्वारा किया गया। इसी क्रम में गुरु वंदना के उपरांत महाविद्यालय के गुरुजनों का तिलक एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मंजरी अग्निहोत्री ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा भारतीय परम्परा में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरू शिष्य संबंधों के महत्व एवं प्रथम गुरू माँ की महिमा पर अपने विचारो से छात्राओं एवं समस्त स्टॉफ को अभिभूत किया। मुख्य वक्ता ने विभिन्न दृष्टांतों, उदाहरणों के माध्यम से जीवन में लक्ष्य प्राप्ति हेतु गुरू की महिमा पर प्रकाश डाला। समापन अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मंजरी अग्निहोत्री ने सभी का आभार प्रकट किया। आयोजन समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष सुश्री अमिता बैरागी द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र डॉ. पूजा कश्यप ने किया।

विधायक ने कराया प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों का गृह प्रवेश

स्वच्छता मित्र का अथक परिश्रम हमारे लिए सर्वोपरि : शर्मा

बारिश से बचाव के लिए स्वच्छता मित्रो को प्रदान किए रैन कोट

सिरोंज, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत गृहप्रवेश एवं नवीन आवासों के भूमि पूजन कार्यक्रम के इंदौर से मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण कार्यक्रम्भक आयोजन स्थानीय नगर पालिका में किया गया। आम नागरिकों के हित से जुड़े सरकार के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने नगरपालिका में कार्यरत स्वच्छता मित्रो को बारिश के मौसम में स्वच्छता करने के लिए सहायक बरसाती कपड़ो का भी वितरण किया। इस अवसर पर पूर्व से आवंटित अपने प्रधानमंत्री आवास को पूर्ण कर चुके लाभान्वित हितग्राहियों का गृहप्रवेश भी कराया गया।

नपा परिसर में स्वच्छता मित्रो के साथ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने धन्यवाद देते कहा कि आपकी अथक मेहनत के कारण ही अपना शहर साफ सुथरा दिखाता है यह हमारी शारीरिक एवं आर्थिक उन्नति का घोतक है। ग्रीन ओर क्लीन सिरोंज बनाने के लिए जितनी भी सीसी सड़के ओर अन्य विकास कार्य हे वह नगरपालिका की देन है। मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री मोहन यादव की देन है। उन्होंने कहा कि यह सही बात हे कि राजनैतिक मतभेद होते है लेकिन जब जनहित का कोई मुद्दा समान आता है तो यह हम सबका कर्तव्य हे कि तब हम सबको एक रहना चाहिए। हमारे यह सफाई मित्र सर्दी,गर्मी बरसात के मौसम में सुबह चार बजे से कचरे में,गीले में, कीचड़ पानी में काम कर जनसेवा करते हैं और इनका कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है। संविधान के अनुसार मूलभूत सुविधाओं का पाने का आपका भी अधिकार है आप सभी की अनेक मांगों में से वाजिब मांगो को पूरा करने के लिए में भी निर्देश दे चुका हूं लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही की वजह से कुछ अधूरी बनी हुई है। पूर्व के समय में बाल्मीकि समाज ने बडी परिस्थितियों में संघर्ष किया है। लेकिन डॉ अंबेडकर जी, बाबू जगजीवन राम जी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ हेडगेवार जी,गुरुजी,देवरस जी, श्यामप्रसाद मुखर्जी,दीनदयाल जी, सहित भाजपा सरकारों के प्रयासों से सामाजिक अस्पृश्यता और छुआछूत को समाप्त करने के लिए जो जनजागरण अभियान चलाए गए उसकी बदौलत आज समाज में बहुत परिवर्तन आया हैं। आज जो भी स्वच्छता मित्र शहरों को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं हम उन सभी के पार्टी हृदय से श्रद्धा रखते हैं।

इंदौर से लाइव प्रसारण के माध्यम से नवीन प्रधानमंत्री आवास योजना का आज मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भूमिपूजन किया है। कार्यक्रम के उपरांत विधायक उमाकांत शर्मा वार्ड क्रमांक 19 में तैयार हो चुके प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने रामकुमारी दुबे तथा खातून बी को उनके आवास में प्रवेश कराया। आज आयोजित हुए कार्यक्रम में सितंबर 2024 से आज तक तैयार हुए आवासों के हितग्राहियों के लिए प्रवेश कराना था। सिरोंज में कुल 324 आवास के हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया गया। जानकारी के मुताबिक योजना के प्रारंभ होने से अभी तक 2680 हितग्राही योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा 2.0 योजना के अंतर्गत 107 हितग्राहियों के नवीन आवास की प्रक्रिया कार्यशील है । जल्द ही शहर के पात्र हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ मिलेगा।

नपा परिसर के हाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रत्येक महिला एवं पुरुष स्वच्छता मित्र के पास पहुंचकर उनका सम्मान करते हुए रैन कोट का वितरण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,उपाध्यक्ष,मनोज शर्मा, वार्डो के पार्षद गण नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू,स्वच्छता अधिकारी धीरज मैना सहित अधिकारी कर्मचारी एवं स्वच्छता मित्र मौजूद रहे।

स्कूल वाहनों के विरुद्ध यातायात पुलिस ने चलाया विशेष जांच अभियान

16 वाहनों का चालान बनाया

यातायात नियमों के उल्लंघन कर रहे स्कूली एवं यात्री वाहनों के विरुद्ध एक विशेष चेकिंग अभियान प्रारंभ किया गया है

सिरोंज, देशबन्धु। दिनांक 11 जुलाई 2025 को चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस, सिरोंज द्वारा लगभग 10 स्कूल वेन एवं 15 ऑटो रिक्शा वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों में अनियमितता, सुरक्षा उपकरणों की कमी तथा ओवरलोडिंग जैसी गंभीर कमियाँ पाई गईं।

कुल 16 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई,उक्त कार्रवाई के तहत कुल ?7400/- का शमन शुल्क वसूलते हुए संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई एवं सभी वाहन चालको को हिदायत दी गई कि वह वाहन संबंधी कागजात रजिस्ट्रेशन लाइसेंस बीमा फिटनेस परमिट पीयूसी इत्यादि पूर्ण रखे, ओवरलोड सवारी न बैठाए, वाहन चलाते समय शराब का सेवन या मोबाइल पर बात ना करें, वाहन तेज गति में न चलाए, वाहन में इमर्जेंसी विंडो, मेडिकल बॉक्स, अग्निशमन यंत्र सही हो, वाहन के ब्रेक सही काम कर रहे हो इत्यादि यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया ।

इस अभियान का उद्देश्य *स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों, उनके माता पिता, वाहन चालक , स्कूल कॉलेज स्टॉफ में यातायात नियमों एवं वाहन संबंधी* कागजात पूर्ण रखने एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना एवं जनहानि को न्यूनतम करना है। भविष्य में भी इसी प्रकार के विशेष अभियान आयोजित कर यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

राष्ट्र सेविका ने भगवा ध्वज का पूजन कर मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

सिरोंज, देशबन्धु। राष्ट्र सेविका समिति सिरोंज नगर का गुरु पूजन कार्यक्रम मैत्रेई शाखा के शव बस्ती, पालीवाल कालोनी में संपन्न हुआ। जिसमें सेविका बहनों ने त्याग, समर्पण व शौर्य के प्रतीक भगवा ध्वज का पूजन व दक्षिणा अर्पण कर उत्सव कार्यक्रम किया द्य कार्यक्रम की मुख्य वक्ता नगर कार्यवाहिका श्रीमती अर्चना चौहान ने समिति में तत्व स्वरूप में भगवा ध्वज को ही गुरु क्यों स्वीकार किया गया है के संदर्भ से राष्ट्र सेविका की सदस्य बहनों को बताया द्य इस अवसर पर शाखा प्रमुख सरला भार्गव सहित संगठन की कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विहिप की हुई बैठक, 26 जुलाई को जाएगी बूढ़ा अमरनाथ यात्रा

सिरोंज, देशबन्धु। विगत दिनों ग्राम देवपुर द्वारकाधीश मंदिर में प्रखंड बैठक आयोजित हुई जिसमें राकेश सक्सेना ने कहा कि हमें संगठित होकर छुआछूत मिटाना है जगदीश शाक्य ने कहा की यदि हम एक होंगे तो हम समाज से वेधर्मियों से बचा पाएंगे।

आपने कहा कि 26 तारीख को बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा जा रही है जिसमें सभी हिंदू समाज यात्रा में सहभागी बने बाबा बुढ़ा अमरनाथ क्यों और कब से आरंभ हुई इसके बारे में बताया बृजेश कुशवाहा ने सावन मास के यात्राओं के बारे में कहा सुरेंद्र श्रीवास्तव ने आगामी योजनाओं के बारे में प्रकाश डाला इस अवसर पर इस कार्यक्रम का संचालन प्रखंड मंत्री राजेश साहू ने किया बसंती लाल कुशवाह गोलू विश्वकर्मा सुरेंद्र शाक्य अशोक नाथ डालचंद कुशवाहा संजू यादव रिंकू कुशवाहा धर्मेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने वार्ड 12 और 31 में दी लाखों की सौगात, बोले

नगर को सर्वांगीण विकास में हम पूरी निष्ठा व मेहनत से कार्य करेंगे

सीहोर, देशबन्धु। शहर में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे है। क्षेत्र में जहां पर भी आवश्यकता होती है, वहां पर नाली निर्माण, सड़क निर्माण के अलावा अन्य विकास कार्य किए जा रहे है। आज नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शहर के वार्ड क्रमांक 12 और 31 में करीब 18 लाख 80 हजार के विकास कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद प्रतिनिधि घनश्याम यादव और वार्ड क्रमांक 31 के पार्षद इरफान खान शामिल थे। इस दौरान नपाध्यक्ष श्री राठौर ने कहाकि हम सभी एकजुट होकर नगर को सर्वांगिण विकास की ओर ले जाने में पूरी निष्ठा व मेहनत से कार्य करेंगे। हमारे पालिका में पार्षद साथी श्री खान और यादव ने बताया कि वार्ड में सीसी मार्ग का निर्माण किया जा है, इसको लेकर वार्ड क्रमांक 31 में करीब 15 लाख की लागत से सीसी रोड और वार्ड क्रमांक 12 में तीन लाख 80 हजार से सड़क कार्य निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया है।

उन्होंने कहाकि किसी एक व्यक्ति या जनप्रतिनिधि के बस की बात नहीं कि नगर का विकास कर सकें, इसके लिए हमारे सभी पार्षद और क्षेत्रवासियों को एकजुट होकर ही नगर के कोने-कोने तक विकास कार्य की श्रृंखला रखी जा सकती है। वर्तमान में नगरपालिका की ओर से शासन की संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तय समय सीमा में नागरिकों को प्राप्त हो रहा है। वहीं जरूरत के हिसाब से नगर में निर्माण कार्य चल रहे है व आगे भी तीव्रता से वृहद स्तर पर निर्माण कार्य नगर में होंगे। भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पार्षद राजेश मांझी, कमलेश राठौर, आशीष गहलोत, इरशाद पहलवान, संतोष शाक्य, आजम नेता, मुकेश मेवाड़ा, लोकेन्द्र वर्मा सहित वार्ड क्रमांक 31 और वार्ड क्रमांक 12 के क्षेत्रवासी शामिल थे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

टेबिल-टेनिस में आईईएस की टीम सेमी फाइनल में

सीहोर, देशबन्धु। पिछले 2 वर्ष की सफलता के बाद इस वर्ष भी आईईएस पब्लिक स्कूल में 4 दिवसीय मेगा सीबीएसई क्लस्टर स्टेट लेवल टेबल टैनिस बॉय्ज़ एवं गर्ल्स कम्पटीशन का आयोजन आईईएस पब्लिक स्कूल के टेबल टैनिस कोर्ट में किया जा रहा है। सीबीएसई क्लस्टर टेबिल-टेनिस टूर्नामेंट मे 14, 17 एवं 19 वर्ष के एज ग्रुप केबॉय्ज़ एवं गर्ल्स के बीच मुक़ाबले खेले जा रहे है। जिसमे मध्य प्रदेश के सभी सीबीएसई स्कूल में से 500 से आधिक प्रतिभागीयो ने हिस्सा लिया एवं अपने जौहर दिखाए।

आईईएस पब्लिक स्कूल मेगा सीबीएसई क्लस्टर टेबल टैनिस बॉय्ज़ एवं गर्ल्स कम्पटीशन के दूसरे दिन आईईएस पब्लिक स्कूल गर्ल्स की टीम ने पोद्दार इन्टरनैशनल स्कूल भोपल को हरा कर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। वही अन्डर 14 बॉय्ज़ वर्ग से एसआईसीए 78 ने एसपीएस भोपाल को मात दी, एडवांस अकादमी इंदौर-डीपीएस भोपाल से जीत, डीपीएस नीलबाद भोपाल ने एसआईसीए निपानिया को हराया एसआईसीए 2 ने वीआईटी सतना की टीम से जीत हस्सिल की एवं श्री सत्य साईं ने एसवीएम को हराकर सेमी फाइनल मई प्रवेश किया वही गर्ल्स वर्ग से अंडर-14 से शिशुकुंज नॉर्थ कैंप ने एसपीएस भोपाल को हराया एवं शिशुकुंज इंटरनेशनल ने टाइम्स स्कूल को हर कर अगले दौर में प्रवेश किया।

आईईएस पब्लिक स्कूल में आयोजित 4 दिवसीय मेगा सीबीएसई क्लस्टर स्टेट लेवल टेबिल-टेनिस बॉय्ज़ एवं गर्ल्स कम्पटीशन 2025 का फाइनल मुकाबला 13 जुलाई को खेल जाएगा जिसके उपरांत पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी मेडल एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जाएगा।

कुबेरेश्वरधाम में श्रावण मास का पहला दिन, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

सीहोर, देशबन्धु। हर साल की तरह आगामी छह अगस्त को शहर के सीवन नदी तट से पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे, इधर सावन के माह पहले दिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु विभिन्न नदियों का जल लेकर जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर और कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है।

इसको लेकर जिला संस्कार मंच के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर और जिला प्रशासन से तत्काल सीवन नदी के तट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और चलित शौचालय, चैंजिंग रूम, कांवड़ यात्रा मार्ग पर कावड यात्रियों की सुरक्षा, मार्ग डायवर्ड आदि करने की अपील की है, क्योंकि यहां पर आने वाले श्रद्धालु दिन-रात इस मार्ग से धाम की ओर जा रहे है। इसको लेकर प्रशासन तत्काल ध्यान दे। पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि श्रद्धालु कुबेरेश्वर धाम सहित सीहोर जिले के सभी शिव मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना करने पहुंचेंगे।

जगतगुरु डॉ. वेदांती का नगर आगमन आज, मानस भवन में होगा अभिनंदन समारोह

गंजबासौदा, देशबन्धु। वेदांत आश्रम के संस्थापक और नगर के संत डॉ राम कमलाचार्य वेदांती जी को प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ में देश के धर्माचार्यों ने रामानंदाचार्य परंपरा के जगतगुरु की उपाधि से अलंकृत किया है। जगद्गुरु बनने के बाद उनका 12 जुलाई शनिवार को प्रथम नगर आगमन हो रहा है। डॉ वेदांती जी के सम्मान में आज शनिवार दोपहर 2 बजे स्थानीय मानस भवन मेला ग्राउंड में क्षेत्रवासियों, व्यापारिक, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संगठनों द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया है। जगतगुरु डॉ वेदांती के आगमन को लेकर नगर में सामाजिक संगठनों, समाजसेवियों द्वारा उनके स्वागत में नगर के प्रमुख मार्गों पर जगह जगह स्वागत द्वार सजाए हैं।आयोजन समिति ने धर्मालुओं, श्रद्धालुओं, विभिन्न संगठनों से जगद्गुरु के सम्मान समारोह में उपस्थित होने की अपील की है।

श्री रामानंद हितकारिणी परिषद वेदांत आश्रम ट्रस्ट के सचिव सौरभ सुहाने ने बताया कि जगतगुरु डॉ वेदांत जी का काशी से सड़क मार्ग द्वारा 12 जुलाई शनिवार को नगर में आगमन हो रहा है। सुबह 8 बजे वह तिरंगा चौक स्थित नगर गंज हनुमान मंदिर से होते हुए वेदांत आश्रम जीवाजीपुर पहुंचेंगे। वहां से दोपहर 12 बजे वाहनों के काफिले के रूप में भक्तजन उनकी शोभायात्रा को लेकर दोपहर 2 बजे मानस भवन पहुंचेगें जहां क्षेत्रवासियों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में विभिन्न संगठनों द्वारा उनका सम्मान किया जाएगा। सम्मान समारोह के पश्चात जगतगुरु डॉ वेदांती जी के आशीष वचन होंगे। वहीं 13 एवं 14 जुलाई को जीवाजीपुर स्थित वेदांत आश्रम में जगतगुरु डॉ वेदांती जी का दो दिवसीय प्रवचन एवं दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें डॉ वेदांती द्वारा सुबह 9 बजे से भक्तों को दीक्षा दी जाएगी एवं दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक प्रवचन होंगे।

समीक्षा बैठक में विधायक ने अधिकारियों को दिए निर्देश, कहा

उन्नयन किए जाने वाले स्कूलों की सूची उपलब्ध कराएं

आष्टा, देशबन्धु । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर लगातार क्षेत्र के विकास खंड स्तरीय विभिन्न विभागों की समीक्षा के माध्यम से शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन, चल रहे निर्माण कार्यों, विकास के प्रस्तावो व अन्य विभागीय विषयो को लेकर समीक्षा कर निगाह रखे रहते है । विधायक समय-समय पर विभागवार समीक्षा करते हैं।

इसी कड़ी में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनपद पंचायत के सभा कक्ष में क्षेत्र के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की । बैठक में एसडीएम नितिन टाले,सीईओ अमित व्यास सहित शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी उपस्तिथ रहे । समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को लेकर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली । केंद्र एवं राज्य शासन की शिक्षा से सम्बंधित शिक्षा विभाग की योजनाओं,कार्यक्रमो, कार्यों एवं शासकीय विद्यालयों में शिक्षको की उपस्थिति,शिक्षकों की कमियां, शासकीय विद्यालय के भवनो की स्थिति, विधानसभा क्षेत्र में शुरू होने वाले जावर सांदीपनी विद्यालय एवं शिक्षा विभाग द्वारा चलाए गए नए शिक्षा सत्र में स्कूल चले अभियान नव प्रवेशी विद्यार्थियों की संख्या तथा अन्य विषयों को लेकर गंभीरता से समीक्षा कर जानकारी ली, तथा सख्ती से शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीआरसी एवं संकुल प्रभारी को निर्देश दिए की शिक्षा विभाग जो एक महत्वपूर्ण विभाग है इस विभाग को लेकर मध्य प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की कई योजनाएं विद्यार्थियों के लिए संचालित होती है उसको लेकर वह गंभीरता से कार्य करें तथा अगर किसी विद्यालय के अंदर या किसी प्रकार की कोई शिक्षा संबंधी समस्याएं हैं तो उसे अवगत कराये ताकि शासन स्तर पर उनका हल करवाने का प्रयास किया जाए । इस अवसर पर विधायक ने समीक्षा बैठक में स्कूली बच्चों को वितरित होने वाली ड्रेस, पुस्तके एवं मध्यान भोजन को लेकर भी जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि समय-समय पर विद्यालयों में मध्यान भोजन की गुणवत्ता तथा मीनू अनुसार मध्यान भोजन बच्चों को प्राप्त हो रहा है या नहीं उसकी भी जांच की जाती रहे ताकि बच्चों को मीनू अनुसार गुणवत्ता युक्त भोजन मिलता रहे । विधायक ने कहा की क्षेत्र में ऐसे कौन-कौन से विद्यालय है जिन्हें प्राथमिक शाला से माध्यमिक शाला में, माध्यमिक शाला को हाई स्कूल में,और हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया जाना है । उसकी सूची एक सप्ताह में उपलब्ध कराएं । ग्राम खजुरिया कासम एवं मैना क्षेत्र में सांदीपनी विद्यालय की स्वीकृति के लिए जो भी विभाग स्तर से होना है उस कार्यवाही को पूर्ण कर शासन स्तर पर भेजा जाए तथा भंवरा एवं कोठरी में सांदीपनी विद्यालय स्वीकृत हुए हैं अति शीघ्र उनके भी भवन निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होगी । वहीं क्षेत्र के आष्टा एवं जावर में सांदीपनी विद्यालय जो लगभग पूर्णता की ओर है उनकी भी समीक्षा करके उनमें और क्या कमियां रह गई है उन्हें दूर कर शुरू किया जाए । विधायक ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये की विद्यालय में एक समय ऐसा भी निश्चित करें कि विद्यार्थियों को पीटी कराई जाए । विद्यालयों में खेल सामग्री की क्या स्थिति है उससे अवगत कराएं। कन्या शालाओं में व अन्य विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों की व्यवस्था भी सुनिश्चित हो इसका भी ध्यान रखा जाएं।

बहनों के हौसले की मजबूत डोर खुशियां हर ओर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा

1.27 करोड़
लाड़ली बहनों को
26 वीं किस्त के
₹ 1543.16 करोड़

56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को ₹ 340 करोड़

30 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग राशि ₹46.34 करोड़ का सिंगल क्लिक से अंतरण

अपराह्न 2:30 बजे | ग्राम पंचायत नलवा, जिला उज्जैन

राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन

मछुआ कल्याण के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं हितलाभ वितरण

अपराह्न 1:00 बजे । मुक्ताकाशी मंच, कालिदास अकादमी, उज्जैन

12 जुलाई 2025

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11064/25